सुविचार -किसी से घृणा मत करो । व्यक्तियों के दुर्गुणों से घृणा करो,
व्यक्तियों से नहीं - जे.जी. सी. बनडि

साप्ताहिक

डाक रजि./MP HSD/13/2021-2023/24-26 आर.एन.ए.पंजीयन संख्या-47485/86

सच की बात-सहजता के साथ

पिपरिया प्रकाश

http://www.pipariyaprakash.com E-mail-pipariyaprakash@gmail.com Mob. 9425708959

वर्ष-38 अंक -33 पिपरिया (म. प्र.) दिन -गुरुवार दिनांक-02 मई 2024 मूल्य-3/00 पृष्ठ -16

कांग्रेस में भगदड़ चुनाव में बड़ी चुनौती

पिपरिया प्रकाश संवादाता, पिपरिया। कांग्रेस अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। जहां कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने केंद्र से लेकर राज्यों और तहसील स्तर तक कांग्रेस छोड़ दी है। अधिकांश नेता अपने कॅरियर व अन्य वजहों से कांग्रेस को छोड़कर चले गए हैं। इस बार तो तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में भी भाजपा बड़ी जीत का दावा कर रही है। हालात यह हैं कि कई लोकसभा सीटों से कांग्रेस उम्मीदवार ही नामांकन वापस लेकर भाजपा ज्वाइन कर ली है। इससे लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की फजीहत हो रही है। बूथों पर कार्यकर्ताओं की कमी हो रही है। झंडा, बैनर लगाने के लिए लोग इंकार कर रहे हैं।

हालांकि बचे खुचे कांग्रेसी जीत के दावे कर रहे हैं। इन दावों में कितना दम है यह 4 जून को स्पष्ट हो जाएगा। कुलमिलाकर वर्तमान समय भारतीय जनता पार्टी का बोलबाला है कांग्रेस दिशाहीन नेतृत्व के कारण गर्त में जा रही है। इंदौर, सूरत, खजुराहो सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार ही नहीं है। कांग्रेस मैदान से ही गायब हो गई है। यह कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। लोकसभा का उम्मीदवार ही कांग्रेस छोड़ रहा है और संगठन को भनक तक नहीं है कितनी योजननाबद्ध तरीके से काम हो रहा है इस मैनेजमेंट को समझना हर किसी के बस की बात नहीं है। किस लेबल पर जाकर सत्तापक्ष के नेतागण विचार कर रहे हैं उस लेबल पर कांग्रेस की सोच ही नहीं पहुंच पा रही है। राष्ट्र और राम का नारा कांग्रेस पर भारी पड़ रहा है। बहुसंख्यकवाद की खिलाफत करने वाली बात को भाजपा ने मुद्दा बना लिया है। बड़े बड़े थिंक टैंक लगातार लोगों की मानसिकता को बदलने में लगे हैं। इतिहास में हुई गलतियों को बताया जा रहा है, वे मुद्दे जिन पर कभी फिल्में नहीं बनी उन मुद्दों पर फिल्में बनी और शांतिपूर्वक उनका सिनेमाघरों में प्रदर्शन हुआ है। इन सब प्रयासों से लोगों की मनःस्थिति में बदलाव आया है पूर्व में जो नरेटिव सेट किये गये थे वे सब ध्वस्त हो गये हैं।

वोल्टेज लो-हाई से परेशान किसान-व्यापारी एवं उद्योगधारी

पिपरिया प्रकाश संवाददाता पिपरिया । शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के वोल्टेज के लो-हाई होने से आज जन मानस काफी दुखी है। उपकरण मशीने एवं सहायक उपकरण खराब पर खराब हो रहे हैं।

ग्रामीणों के साथ जो धोखाधड़ी मंडल कर रहा है उससे आम किसान परेशान हाल है 10 घंटे नियमित बिजली की जगह व मुश्किल 7-8 घंटे बिजली के साथ भी आंख मिचौनी का खेल जारी की है। मंडल की आराजकता जारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तो बदतर स्थिति बनी हुई है। शहरों में भी मंडल काफी मनमर्जी चलाता है। लो -हाई बोल्टेज देना आम सा हो गया है। व्यापारीयों की लाखों की मशीने खराब होने का डर बना रहता है। स्वयं का ट्रांसफार्मर लगाने वाले सुरक्षा के उपकरणों से लेस उद्योगों को भी लो-हाई वोल्टेज का मंडल का करिश्मा बर्बाद करने पर मजबूर हुआ है। शहरों व गांवों की सप्लाई व्यवस्था सड़ी गली ही चल रही है। परिणाम हम सबके सामने है। तार भी टूटे-फूटे ही चल रहे हैं।

जनता की समस्या को सुनने वाला कोई भी सक्षम अधिकारी नहीं है। कूलर मोटर्स इनवर्टर कम्प्यूटर तो खराब हो रहे हैं। उद्योग धंधे जो अधिक क्षमता के लगे हैं वे भी मंडल की अनदेखी लापरवाही अनसुनी करने से परेशान हाल है।

मंडल को बेजा भुगतान देने वाले अलग ट्रांसफार्मस लगाने वाले व्यापारी भी परेशान है तो कम क्षमता के लोगों की समस्याओं को कौन सुनेगा यह अराजकता की तरफ न तो जनप्रतिनिधियों का ध्यान है न ही अधिकारियों का जनता परेशान हाल है मंडल मजे में है।

जनता की कौन सुने- लापरवाही अराजकता लूट जारी है !

पिपरिया प्रकाश संवाददाता पिपरिया । डॉ पेशा सेवा का पेशा था पर अब हर कदम पर पैसा वसूली का प्रमुख केन्द्र बन गया है जांच - दवा भी उसी डाक्टर से ले उनका स्टाफ अकुशल फिर भी फीस पूरी वसूली जा रही है मरीज को कोई परेशानियां आती हैं तो ये जबावदेही से भी मुकर जाते हैं। अस्पतालों में नैतिक दिशा निर्देशों का भी पालन नहीं होता भारत में 52 लाख शिकायतें लापरवाही के केश्रों की की पहुंची है इतनी ही शिकायतें वे है जो पहुंची तक नहीं है मरीज स्वयं भोग रहा है। गैर जरूरी दवा लिखना महंगी दवा खिलना आम सा हो गया है। सरकारी अस्पताल तो स्वयं बीमार बने हैं अतः नागरिक प्राइवेट की ओर भागता है वह लुटता रहता है। गंभीर बीमारियों का दौर चलेगा, मलेरिया, डायरिया संक्रमण रोग हमारी परिषद की भी उदासीनता पानी की टंकी की सफाई नाली नालों की साफ-सफाई न होना भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। नाली -नालों, सब्जी मंडी में साफ - सफाई नदारत होने से बीमारियां बढ़ सकती है। नालों पर रखी जाली टूट-फूट चुकी है। जो घटना- दुर्घटना को आमंत्रित कर रही है ये लापरवाहीयां साफ-सफाई का न होना बेजा क्षति कारक व्यवस्था है। परिषद जागे मानसून आगमन के पहले कारगर कदम उठाये।

शहर की शिक्षा व्यवस्था पर माफिया राज कायम है प्रवेश से लेकर पढ़ाई पर कमीशन लूट जारी है। प्रशासन सब देख रहा है पर चुप्पी साधे बैठा है सिविल अस्पताल है पर सुविधाओं उपचार का टोटा है। काफी असंतोष प्रद सुविधा है रात में तो प्रायवेट अस्पतालों की ओर ही भागो वहां पर भी हाथ जुड़ाई पैसा अधिक की अराजकता चल रही है पैसा पर उपचार नहीं तो जाओ बलिहारी व्यवस्था की इसे देखने सुनने वाला कोई नहीं मनमर्जी का आलम सड़क से लेकर हर स्थितियों में चल रहा है देखने सुनने की जरूरत ही क्या है मनमानी वसूली वैध व अवैध हो जाती है। कहने को सब ठीक-ठाक पर कुछ भी ठीक-ठाक नहीं है। बस जनता अपना काम चला रही है। सफर भी महंगा और लुटाई जारी है। ट्रेने है पर रुक नहीं रही न ही कोच बढ़ाये जा रहे हैं महंगे खाली कोच चल रहे हैं। कर्ज जनता के माथे लादने वाला विकास जारी है जनता भटकाव में जी रही है वास्तविकता गरीब मध्यमवर्ग जानता है वह कैसे जी रहा है उसकी सुनने वाला कोई भी नहीं है।

कलेक्टर एवं एसपी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी किया मतदान

जनसंपर्क नर्मदापुरम । लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत 26 अप्रैल 2024 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने शासकीय नवीन बालक शाला (फूलवती विद्यालय) कोठी बाजार के मतदान केन्द्र क्रं 66 पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने बताया कि प्रशासन लगातार पूरी मतदान प्रक्रिया पर अपनी नजर बनाये हुए है एवं जिले का मतदान प्रतिशत अभी तक पूरे संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक है। उन्ह्होनें मौके पर ही जिलेवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में आकर मतदान करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी दे। लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में मतदान करने में शासकीय अमला भी आगे रहा सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों, आयुक्त कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक अपने परिवार सहित मतदान किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने मतदान किया। डिप्टी कलेक्टर बबीता राठौर, लोक सेवा प्रबंधक आनंद झैरवार, एवं उनकी टीम नें उत्साहपूर्वक मतदान किया।

कलेक्टर ने मतदान सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर सभी का आभार व्यक्त किया

जनसंपर्क नर्मदापुरम । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना ने लोकसभा निर्वाचन–2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में आने वाले नर्मदापुरम जिले की चारों विधानसभाओं में मतदान सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिले के मतदाताओं का, मतदान दलकर्मियों, सेक्टर अधिकारियों, माइक्रो ऑब्ज्जवर्स, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में लगे पुलिस बल, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों सहित निर्वाचन कार्य में संलग्न जिले के सभी अधिकारियों–कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया जिन्ह्होंने पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से शांतिपूर्वक मतदान कराने में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है।

सम्पादकीय

राजनीति की विकृति और परेशान मध्यमवर्गीय

वर्तमान में एक विचित्र किस्म की राजनीति प्रारंभ हो गई है। जहां विपक्षी दलों के उम्मीदवार ही दल बदल रहे हैं। ऐसे में उस पार्टी का जमीनी कार्यकर्ता, निष्ठावान कार्यकर्ता टूट जाता है और खुद को ठगा सा महसूस करता है। हाल ही में भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इंदौर में लोकसभा प्रत्याशी अक्षयकांति बम ने बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर ली है। इसके पीछे दबाव की राजनीति और अक्षय की कुछ मजबूरियों को प्रमुख वजह माना जा रहा है। उनके विरुद्ध एक आपराधिक मामले में धारा बढ़ा दी गई। इसके अलावा व्यावसायिक मजबूरियां भी थीं। कुलमिलाकर राजनीति का ऐसा विकृत स्वरुप सामने आ रहा है कि किसी की विश्वसनीयता ही नहीं बची है। कब कौन अपने हितों के लिए दूसरी पार्टी में चला जाएगा कहा नहीं जा सकता है। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है। राजनीति में असामाजिक तत्वों की सक्रियता भी चरम पर है। राजनीति की यह विकृति मान्य हो गई है। साम, दाम, दंड, भेद राजनीति की प्रमुख विषयवस्तु है और राजनीति में इनका होना स्वाभाविक है। सत्ता की मलाई मिलते ही सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति कब करोड़ों में खेलने लगता और इतना धूर्त हो जाता है कि वो आम लोगों को बरगलाकर स्वयं कमाता और उसके आसपास के सहयोगियों के वारे न्यारे देखते ही देखते हो जाते हैं। सामान्य जनता महंगाई से परेशान है किराना खाद्य सामग्री, पेट्रोल और अन्य आवश्यकताओं की वस्तुएं महंगी होती जा रही है। आम आदमी दो वक्त की रोटी कमाने ही परेशान हो रहे हैं बच्चों की स्कूल फीस, रोजमर्रा के खर्चों में ही परेशान हो रहा है। गरीबी रेखा वालों को मुफ्त अनाज मिल रहा है, योजनाओं का लाभ मिल रहा है और उच्च आय वर्ग, सरकारी कर्मचारियों की आय बढ़ती जा रही है। किंतु आम मध्यम वर्गीय बहुत परेशान है। आम मध्यमवर्गीय की पीड़ा समझने के लिए सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर करने की आवश्यकता है गुणवत्तायुक्त शिक्षा सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए सरकार को काम करना होगा। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काम काम करने की बहुत आवश्यकता है। फ्री व्यवस्था देने की अपेक्षा सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य को सुद्रढ़ बनाने की ओर सरकार प्रतिबद्धता से कार्य करे तो आम मध्यमवर्गीय लोगों को राहत मिलेगी। केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाकर उनमें सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों को प्रवेश व्यवस्था की तरफ केंद्र सरकार को कार्य करने की आवश्यकता है वर्तमान में इन विद्यालयों में सरकारी नौकरी वालों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है इसके अलावा आरक्षित वर्ग समूह को भी प्राथमिकता मिलती है। लेकिन सामान्य वर्ग के बच्चों, कम आय वर्ग के परिवारों के बच्चों का तो नंबर ही नहीं है।

बेचना है

(1) पचमढ़ी रोड पंचतारा होटल के पीछे 40 X 60=2400वर्गफुट कार्नर का प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

(2) राईखेड़ी मेन रोड का प्लाट **50 X 100=5000** वर्गफीट साइज में 21 फुट का मुरम रोड है। प्लाट शीघ्र बेचना है।

(3) पचमढ़ी रोड की कृष्णकांता मेरिज गार्डन की पश्चिमी दीवाल से लगा पश्चिमी मुखी 1350 वर्गफुट का प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

सम्पर्क करें

छगनलाल वर्मा

25-4-2024

मो.9425644648, 9584950962

एसी का तापमान 27 डिग्री सेट करने पर बिजली बिल में 30 फीसदी तक की कमी

जनसंपर्क नर्मदापुरम । गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से बिजली बिल अधिक आता है, लेकिन कुछ तरीके अपना कर बिजली बिल में कमी की जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि एक शोध से यह साबित हुआ है कि एसी का तापमान 27 डिग्री पर सेट करने से बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। शोध के अनुसार प्रत्येक डिग्री तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्प्लिट एसी की ऊर्जा खपत में 6 प्रतिशत की कमी आती है।

आमतौर पर कमरे को तुरंत ठंडा करने के लिए तापमान को 18 डिग्री तक कम करना एक आम गलतफहमी है। जबकि 27 डिग्री सेल्सियस तक कम करने में लगने वाला समय वही रहता है, चाहे आप एसी का तापमान 18 या 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें। लेकिन जब आप कम तापमान सेट करते हैं, तो कमरे के तापमान को कम करने के लिए कंप्रेसर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप अधिक बिल आता है। यहां तक कि अगर आप थर्मोस्टेट को 18 डिग्री पर सेट करने के बाद कुछ मिनटों के भीतर एसी बंद कर देते हैं, तो विभिन्न लीक के माध्यम से ठंडी हवा के फैलने से तापमान तेजी से बढ़ जाएगा, जिससे आपका प्रयास व्यर्थ हो जाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप थर्मोस्टेट को 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करते हैं और टाइमर को 2 घंटे के लिए सेट करते हैं और साथ में सीलिंग फैन चला देते हैं, तो यह आमतौर पर अच्छी नींद के लिए आरामदायक तापमान बनाए रखता है। इसलिए समझदारी से काम लेते हुए एसी को 27 डिग्री पर सेट करें तथा सीलिंग फैन एक या दो पाइंट पर जरूर चलाएं, ऐसा करने से बिजली बिल में कमी आ सकती है।

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत कुल 2203 मतदान केंद्रों पर 67.21 प्रतिशत मतदान

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद के पिपरिया विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 72.80 प्रतिशत मतदान हुआ
जिले के संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आने वाले चारों विधानसभा क्षेत्र में कुल 68.46 प्रतिशत मतदान हुआ

जनसंपर्क नर्मदापुरम । लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 के तहत 26 अप्रैल 2024 को संपूर्ण संसदीय क्षेत्र एवं जिलेभर में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। संसदीय क्षेत्र की बात करें तो पूरे क्षेत्र में 1855692 मतदाताओं में से 1247298 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 687674 पुरुष मतदाता एवं 559594 महिला मतदाताओं तथा 30 थर्ड जेंडर मतदाताओं नें मताधिकार का प्रयोग किया। जो कि कुल मतदाताओं का 67.21 प्रतिशत हैं। वहीं लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाली जिले की चारों विधानसभाओं में 950127 में से कुल 650505 मतदाताओं ने मतदान किया। हो कि कुल मतदाताओं का 68.46 प्रतिशत है। इस दौरान 354373 पुरुष मतदाओं और 296108 महिला मतदाताओं सहित 24 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में कुल 2203 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। जिसमें नर्मदापुरम जिले की चारों विधानसभा में कुल 1187 मतदान केंद्र स्थापित किए गए। स्थापित किए गए मतदान केंद्रों में से सर्वाधिक मतदान केंद्र 136 विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा अंतर्गत स्थापित किए गए थे जो की 318 थे। इसी प्रकार 137 विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद अंतर्गत 238 मतदान केंद्र, 138 विधानसभा क्षेत्र सोहागपुर अंतर्गत 314 मतदान केंद्र एवं 139 विधानसभा क्षेत्र पिपरिया अंतर्गत कुल 298 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे।

संपूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद एवं नर्मदापुरम जिले की बात की जाए तो सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाली विधानसभा क्षेत्र 139 पिपरिया था जिसके अंतर्गत 72.80 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। जिसमें 76.91 प्रतिशत पुरुष मतदाता 68.41 प्रतिशत महिला मतदाता एवं 100 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मतदान किया एवं देश के लोकतंत्र के प्रति अपने जिम्मेदारी निभाई।

विधानसभा क्षेत्र पिपरिया अंतर्गत कुल 234863 मतदाताओं में से 170983 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें कुल 121170 पुरुष मतदाताओं में से 93194, इसी प्रकार 113688 महिला मतदाताओं में से 77784 एवं 5 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से पांचों मतदाताओं ने मतदान किया। सिवनीमालवा विधानसभा में कुल 246841 मतदाताओं में से 172715 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 128057 पुरुष मतदाताओं में से 93593 तथा कुल 118775 महिला मतदाताओं में से 79116 मतदाता एवं कुल 09 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 6 मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। होशंगाबाद विधानसभा में कुल 223878 मतदाताओं में से 139690 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 113315 पुरुष मतदाताओं में से 74727 और कुल 110547 महिला मतदाताओं में से 64956 तथा 16 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 7 मतदाताओं ने मतदान किया। सोहागपुर विधानसभा में कुल 244545 मतदाताओं में से 167117 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 128188 पुरुष मतदाताओं में से 92859 और कुल 116350 महिला मतदाताओं में से 74252 तथा 7 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 6 मतदाताओं ने मतदान किया।

भोपाल में फिर कुत्तों का आतंक, मासूम के दोनों हाथों को काटा, अस्पताल में भर्ती

भोपाल में आवारा कुत्तों का आतंक थामने का नाम ही नही ले रहा। एक बार फिर अफजल कॉलोनी के जहांगीराबाद में कुत्ते ने एक बच्चे के दोनों हाथों को काटा है। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भोपाल। राजधानी भोपाल में आवारा कुत्तों का आतंक थामने का नाम ही नही ले रहा। एक बार फिर कुत्ते ने यहां मासूम को अपना निशाना बनाया है। अफजल कॉलोनी के जहांगीराबाद में कुत्ते ने एक बच्चे के दोनों हाथों को काटा है। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानाकारी के मुताबिक कुत्ते ने जिस समय बच्चे पर अटैक किया उस समय बच्चा खेल रहा था। आवारा कुत्तों ने हमला करके उसके दोनों हाथों को जख्मी कर दिया। जिसके बाद आनन फानन में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका उपचार चल रहा है। लगातार हो रहे डॉग बाइट के मामले से लोगों में दहशत का माहौल है, खासकर बच्चों को आवारा कुत्ते अपना शिकार बना रहे है।

-हम समवेत

समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्य 20 मई तक

जनसंपर्क भोपाल।समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य के लिए पूर्व जारी अंतिम तिथि 07 मई से बढ़ाकर अब 20 मई नियत की गई है।

जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री मीना मालाकार ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के उप सचिव द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए बताया कि रबी विपणन वर्ष 2024–25 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए जारी संदर्भित नीति की कंडिका अनुसार समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्य के लिए भोपाल संभाग में 07 मई नियत की गई थी नवीन जारी आदेश के अनुसार कृषकों की सुविधा को दृष्टिगत प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन की अवधि 20 मई 2024 तक बढाई गई है। अतः भोपाल जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य 20 मई तक किया जाएगा।

गर्मी के मौसम में बिजली बिल कम करने के कुछ असान तरीक

जनसंपर्क भोपाल।गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे–जैसे पारा चढ़ता है, वैसे–वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये हैं। ए.सी इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्प्रेचर को 27 डिग्री पर सेट करें। इससे नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेशर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के साथ–साथ कमरे में पंखा भी चलाएं।

ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10–15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें। फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की–दरवाजे ए.सी.चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे–खिड़कियों में झिरियां हों तो उन्हें थर्मोकोल आदि का इस्तेमाल कर सील कर दें।

इसी तरह कूलर इस्तेमाल करने के लिए भी कुछ जरूरी टिप्स हैं। कूलर से पूरी ठंडक पाने के लिए जरूरी है कि कूलर जितनी हवा फेंक रहा है उतनी हवा कमरे से बाहर निकलने का भी पूरा इंतजाम हो। कूलर के पैड यदि खराब हो गये हैं तो उन्हें बदलवा लें। कूलर के पंखे और पंप की आइलिंग ग्रीसिंग के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर करायें। पुराने रेगूलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगवाएं, इससे बिजली कम खर्च होती है।

इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें। खराब कंडेंसर, बाल बेयरिंग इत्यादि को तुरंत बदलवा लें, वहीं पंखे में इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर का इस्तेमाल करें। रेफ्रिजरेटर इस्तेमाल करने में भी सावधानी रखें। गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले रेफ्रिजरेटर की जांच करा लें। रेफ्रिजरेटर का दरवाजा बार–बार ना खोलें। दरवाजा बार–बार खुलने या ज्यादा देर खुला रहने से कंप्रेशर को फ्रिज का टेम्प्रेचर बनाये रखने में ज्यादा मेहनत लगती है। जिससे बिजली की खपत अधिक होगी और बिल बढ़ेगा। एकदम गर्मागर्म खाना या दूध फ्रिज में न रखें। ऐसा करने से भी कंप्रेशर को ज्यादा देर चालू रहना पड़ता है और आपका बिजली बिल बढ़ता है।

रेवांचल हायर सेकेण्डरी विद्यालय सांडिया

आवश्यकता

रेवांचल हायर सेकेण्डरी स्कूल सांडिया में सभी कक्षाओं में सभी विषय के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने हेतु योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षक-शिक्षिकाओं, कम्प्यूटर आपरेटर एवं अनुभवी प्राचार्य की आवश्यकता है । इच्छुक उम्मीदवार अपने बायोडाटा के साथ विद्यालय में आकर सम्पर्क करें ।

कक्षा-नवमी से बारहवी (गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री, एकाउन्टेंसी, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ा सकने वाले उम्मीदवार एवं अंग्रेजी माध्यम से हायर सेकेण्डरी या स्नातक किये हुये उम्मीदवार को विशेष प्राथमिकता एवं विशेष वेतन प्रदान किया जावेगा ।

विद्यालय का समय- सुबह 8.30 से दोप. 2.30 बजे तक

योग्यता-स्नातक, स्नातकोत्तर, बी.एड./डी.एड.

वेतन-5000 से 15000/-रुपये प्रतिमाह + निःशुल्क वाहन व्यवस्था (पिपरिया से)

आवेदन की अंतिम तिथि : स्थान रिक्त होने तक या दिनांक 30 मई 2024 तक

सम्पर्क हेतु मोबाइल नं. 8085890766, 7987735421

कार्यालय पता - रेवांचल हायर सेकेण्डरी स्कूल, मुख्य बाजार मार्ग, सांडिया

पिपरिया में आवेदन जमा करने के स्थान :-

1. सोनी स्टेशनरी, आर.एन. ए. स्कूल के सामने पिपरिया
2. शुभम स्टेशनरी, पी.जी. कालेज के सामने, पिपरिया
3. माहेश्वरी स्टेशनरी, थाने के सामने, सांडिया रोड, पिपरिया
4. सौरभ कम्प्यूटर, जनपद शिक्षक केन्द्र के बाजू में, तहसील परिसर, पिपरिया
5. गोल्डन कम्प्यूटर, रूपश्री जनरल स्टोर्स के बाजू में, रामजानकी मार्केट पिपरिया

प्राचार्य/संचालक
रेवांचल हा. से. स्कूल सांडिया

आवश्यक सूचना– (20 सितम्बर 2023 से नए पते पर शिफ्ट हो गया है ।)

किरण फ्रेक्चर एंड पेन क्लीनिक

डॉ. सुयश शर्मा
(हड्डी रोड विशेषज्ञ)
एम.बी.बी.एस.डीएनबी आर्थो
मिलने का समय–
प्रात: 11 से दोप. 2.00 बजे तक
शाम 5 से 7.30 बजे तक

डॉ.विभा शर्मा
MBBS,MD,FIPM
मिलने का समय–
शाम 6.00 से 7.30 बजे तक

नोट – आधुनिक तकनीक से सभी प्रकार के दर्द का इलाज किया जाता है ।
आपरेशन की सुविधा समर्थ अस्पताल में उपलब्ध है । (इमरजेंसी में समर्थ अस्पताल में संपर्क करें)
फ्रेक्चर, स्पोर्ट इंजुरी, सायटिका, गठिया, कमर, ऐड़ी, कोहनी, घुटने के दर्द अथवा चोट का इलाज किया जाता है ।

उपलब्ध सुविधाएँ–डिजिटल X-ray, वॉटर प्रूफ प्लास्टर

स्थान–अशोक वार्ड, पी.पी. एस स्कूल के पास, सांडिया रोड पिपरिया

न्यू विनीत ट्रांसपोर्ट

शोभापुर रोड, पिपरिया
जिला–होशंगाबाद (म.प्र.)
Mob- 9300734595, 9827576290, Ph.220409
विशेष- छोटी गाड़ी सम्पूर्ण भारत में भेजी जाती है ।

प्रकाश डिजिटल फोटो स्टूडियो

पाठक जी की चाल
सांडिया रोड, पिपरिया

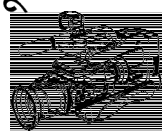

शादी, जन्मदिन, अन्य पार्टियों एवं कार्न्फेंस के लिए पिपरिया शहर में पहली बार प्रोजेक्टर की सुविधा उपलब्ध है

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के लिए आलेख

प्रेस की स्वतंत्रता, लोकतंत्र का आधार

(अमिताभ पाण्डेय)

हमारा देश भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य देशों में से एक है। भारत में लोकतंत्र के माध्यम से शासन प्रशासन की व्यवस्थाओं का संचालन किया जाता है ।

लोकतंत्र जिन चार प्रमुख स्तंभों पर टिका है उनमें न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका के साथ ही प्रेस भी है ।

प्रेस अथवा मीडिया लोकतंत्र का अति महत्वपूर्ण हिस्सा है ।

बेहतर लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को भारतीय संविधान में बहुत महत्व दिया गया है ।

इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 एक ए में प्रत्येक नागरिक को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 एक एक के अनुसार प्रेस को अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए हैं।

इनमें तथ्य पूर्ण समाचारों का प्रकाशन , सूचनाओं को प्राप्त करने और प्रसारित करने का अधिकार, विज्ञापन लेने का अधिकार ,शासन की नीतियों, नियमों और उनके क्रियान्वयन को लेकर जनता के विचारों को जानने प्रकट करने , प्रचारित करने का अधिकार शामिल हैं।

इसके साथ ही सहमति और असहमति के प्रकटीकरण का अधिकार भी भारतीय संविधान ने प्रेस मीडिया को दिया है।

प्रेस वह संस्था है जो जनरुचि की सूचनाओं को एकत्र करती है । उसका विश्लेषण करती है ।उनका जनहित में प्रसार करती है । शासन की योजनाओं पर आम जनता के बीच चर्चा और चिंतन को प्रोत्साहित करती है।

मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता ऐसा अधिकार है जिसकी सरकार और समाज को हमेशा परवाह करना चाहिए। इसके लिए शासन स्तर से समय समय पर जो प्रयास किए जाते हैं वे सराहनीय है।

प्रेस की स्वतंत्रता के लिए सरकार और समाज दोनों का वचनबद्ध होना जरूरी है।

यह हर्ष का विषय है कि इसके लिए नागरिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी अनेक गतिविधियां लगातार संचालित की जाती है।

प्रेस की स्वतंत्रता का हमारे देश के विकास भी महत्वपूर्ण योगदान है ।

भारतीय लोकतंत्र की व्यवस्था में स्वतंत्र प्रेस के बिना लोकतंत्र को पूर्ण नहीं माना जा सकता।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत अधिकारों की स्वतंत्रता जरूरी है।

यह सब हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं । लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रेस सरकार को जिम्मेदार और जवाब देह बनाती है ।

उल्लेखनीय है कि भारत में प्रेस का महत्व प्राचीन काल से ही रहा है।

ब्रिटिश शासन काल के दौरान प्रेस ने अंग्रेजी दासता के विरुद्ध अपने विचारों को प्रखरता के साथ अभिव्यक्त किया । आजादी की लड़ाई में प्रेस का योगदान भी सब जानते हैं।

अमृत बाजार पत्रिका , बंगाल गजट , हिंदुस्तान टाइम्स ,प्रताप पयामे आजादी, जैसे समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अपनी आवाज जोरदार तरीके से उठाई । ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड लिटन ने 1878 में वर्नाकुलर प्रेस एक्ट के माध्यम से भारतीय प्रेस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की जिसका बहुत विरोध हुआ। आजादी की लड़ाई में प्रेस ने भारतीय नागरिकों को एकजुट करने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया । इस एकजुटता ने देश को आजाद कराने में अपना योगदान दिया।

प्रेस की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है। पत्रकार सरकारी कार्यों , योजनाओं की समीक्षा, जांच , रिपोर्टिंग , विश्लेषण करते हैं। शासन की योजनाओं की सफलता, विफलता को उजागर करते हैं।

प्रेस मीडिया नागरिकों को वर्तमान घटनाक्रमों , सम सामयिक गतिविधियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार , सामाजिक मुद्दों के बारे में सूचित करने का कार्य प्रमुखता से करता है। इस बारे में भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य रहे वरिष्ठ पत्रकार अशोक नवरत्न कहते हैं ,

स्वतंत्र प्रेस सरकार और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं के द्वारा सत्ता के संचालन की निगरानी करती है और इसके सदुपयोग, दुरुपयोग के बारे में समाचारों का प्रकाशन , प्रसारण करती है । इसके कारण नियम कानून के विरोध में होने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगता है।

श्री नवरत्न मानते हैं कि प्रेस के माध्यम से भ्रष्टाचार , मानव अधिकारों के हनन और अन्य जन विरोधी कार्यो को रोकने में मदद मिलती है ।

प्रेस की स्वतंत्रता सरकारी निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा देती है ।

यदि शासन स्तर पर नियमों का उल्लंघन हो तो इस तरह की कमियों को भी उजागर करने में अपनी भूमिका निभाती है ।

आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज़ पेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता के लिए भारत सरकार को प्रथम व द्वितीय प्रेस आयोग की संस्तुतियां लागू करनी चाहिए । यह संस्तुतियां विगत कई वर्षों से क्रियान्वयन का इंतजार कर रही हैं । वर्तमान में समाचार पत्रों एवं पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए तृतीय प्रेस आयोग का गठन होना बहुत ही आवश्यक प्रतीत होता है ।

उल्लेखनीय है कि भारत अनेक भाषाओं विविध संस्कृतियों का देश है ।

यहां पर सबको अपने विचारों को ,अपनी बात को रखने का अवसर मिले यह प्रेस द्वारा ही सुनिश्चित होता है ।

एक स्वतंत्र प्रेस भारतीय नागरिक के स्वतंत्रता के अधिकार और जानने के अधिकार सहित मूल अधिकारों का संरक्षण करती है। यह व्यक्तियों और समूह के अधिकारों का पक्ष समर्थन कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाती है।

वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को प्रेस ने हमेशा बढ़ाने का कार्य किया है ।

श्री नवरत्न के अनुसार भारत में प्रेस की स्वतंत्रता मजबूत हो इसके लिए हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी अनेक शासकीय निकाय बनाए गए हैं जो की प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करते हैं ।

इनमें भारतीय प्रेस परिषद का उल्लेख करना जरूरी होगा जिसकी स्थापना वर्ष 1978 में की गई।

यह एक स्वतंत्र शासकीय निकाय है जो की प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के नैतिक मापदडों की रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है ।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय भी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता और पारदर्शिता को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहा है ।

इसके साथ ही न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल संगठन, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया जैसी संस्थाएं भी प्रेस और पत्रकारों के अधिकारों और उनकी जिम्मेदारियां से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में अपनी भूमिकाएं निभा रही है ।

भारत की न्यायपालिका भी प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।

इसके लिए न्यायालय की ओर से समय–समय पर अनेक ऐसे निर्णय दिए गए हैं जिनके माध्यम से प्रेस की स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया गया है

इस संबंध में सकाल पेपर्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया वर्ष 1962 के मामले का उल्लेख करना जरूरी होगा जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि राज्य ऐसे कानून नहीं बना सकते जो सीधे तौर पर संविधान के तहत गारंटी कृत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं । यही कारण है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस पर आम जनता का भरोसा सदैव बढ़ता रहा है और प्रेस ने आम जनता के विचारों की अभिव्यक्ति अपने समाचारों में की है। स्वतंत्र प्रेस लोकतंत्र के सशक्तिकरण में अपनी भूमिका को सदैव निभाती रही है

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस की भूमिका सरकार के कार्यों की निगरानी और उनको लेकर जनता के बीच होने वाली प्रतिक्रियाओं को सार्वजनिक करने का काम करती है।

आम जनता को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का काम प्रेस करती है।

हमारे देश में पत्रकार लोकतंत्र को मजबूत करने में सक्रिय और निष्पक्ष भूमिका निभा रहे हैं।

प्रेस ने उपयुक्त सूचनाओं और आवश्यक शिक्षा को सदैव आम जनता तक पहुंचाने का काम किया है ।

यह लोकतंत्र की रक्षा के साथ ही पारदर्शी प्रशासन , जवाबदेह सरकार के लिए अपनी भूमिका को निभा रहा है।

प्रेस स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत को आमजन के बीच प्रचारित प्रसारित करती है । आगामी 3 मई में को दुनिया के अन्य देशों के साथ ही भारत में भी विश्व प्रेस दिवस मनाया जाएगा ।

यह दिन प्रेस की आजादी को सम्मान देने और उसके महत्व को रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है।

इस दिन के माध्यम से हम प्रेस की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को बनाए रखने का जश्न मनाते हैं । लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस का महत्व सबने समझा और माना है। हमारी सरकारें प्रेस के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध , वचनबद्ध रही हैं । आने वाले समय में भी प्रेस , मीडिया अपनी निष्पक्ष और पारदर्शी भूमिका के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान देता रहेगा ऐसा विश्वास है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, संपर्क 9424466269)

उत्कृष्ट विद्यालय कक्षा 9 वीं प्रवेश चयन परीक्षा सम्पन्न

1538 परिक्षार्थियो में से 1407 सम्मिलित व 131 अनुपस्थित

जनसम्पर्क नरसिंहपुर ।जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9 वीं प्रवेश चयन परीक्षा वर्ष 2024– 25 मंगलवार 30 अप्रैल को प्रातः 10.15 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक जिला मुख्यालय के 4 परीक्षा केंद्र पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुई।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी ने द्वारा चारों

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला मुख्यालय के परीक्षा केंद्रों शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि में 500 परीक्षार्थी में से 481 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 19 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाये गये। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 550 में से 500 परीक्षार्थी सम्मिलित व 50 परीक्षार्थी अनुपस्थित, शासकीय एसडीएम कन्या उमा विद्यालय स्टेशनगंज में 250 में से 218 परीक्षार्थी सम्मिलित व 32 परीक्षार्थी अनुपस्थित और शासकीय नेहरू उमा विद्यालय में 238 में से 208 परीक्षार्थी सम्मिलित व 30 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार सभी चार केंद्रों पर 1538 परीक्षार्थी में से 1407 परीक्षार्थी चयन परीक्षा में सम्मिलित हुए व 131 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर श्रीमती आशा नेमा, श्री जीएस पटेल, श्री एके चौबे, प्रभात मिश्रा केंद्र अध्यक्ष एवं एएस मसराम सहायक संचालक शिक्षा, अनिल व्यौहार एडीपीसी रमसा, डॉ. एसके पाल प्राचार्य, श्रीमती रमता चौबे प्राचार्य परीक्षा केंद्रों पर प्रेक्षक नियुक्त किए गए थे। उत्कृष्ट विद्यालय नरसिहपुर हेतु आयोजित कक्षा 9 वीं प्रवेश चयन परीक्षा सभी केंद्रों पर व्यवस्थित संपन्न हुई।

बुद्ध की शिक्षा से मेहनत सफल हुई

एक आदमी को बुद्ध ने सुझाव दिया कि दूर से पानी लाते हो, क्यों नहीं अपने घर के पास एक कुआँ खोद लेते? हमेशा के लिए पानी की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सलाह मानकर उस आदमी ने कुआँ खोदना शुरू किया, लेकिन सात–आठ फीट खोदने के बाद उसे पानी तो क्या, गीली मिट्टी का भी चिह्न नहीं मिला। उसने वह जगह छोड़कर दूसरी जगह खुदाई शुरू की, लेकिन दस फीट खोदने के बाद भी उसमें पानी नहीं निकला। उसने फिर तीसरी जगह कुआँ खोदना शुरू किया, लेकिन यहाँ भी उसे निराशा ही हाथ लगी। इस क्रम में उसने आठ–दस फीट के दस कुएँ खोद डाले, लेकिन पानी कहीं नहीं मिला।

वह निराश होकर बुद्ध के पास गया, उसने बुद्ध को बताया कि मैंने दस कुएँ खोद डाले, मगर पानी एक में भी नहीं निकला। बुद्ध को आश्चर्य हुआ। वे स्वयं चलकर उस स्थान पर आए, जहाँ उसने दस गड्ढे खोदे हुए थे। बुद्ध ने उन गड्ढों की गहराई देखी और सारा माजरा समझ गए।

फिर वे बोले, दस कुएँ खोदने की बजाय एक कुएँ में ही तुम अपना सारा परिश्रम लगाते तो पानी कब का मिल गया होता। तुम सब गड्ढों को बंद कर दो, केवल एक को गहरा करते जाओ, पानी निकल आएगा। उसने बुद्ध की बात मानकर ऐसा ही किया, परिणामस्वरूप कुआँ पूर्ण होते ही पानी निकल आया। सबने भगवान बुद्ध की जय–जयकार की।

(भरतलाल शर्मा)

विदिशा में भीख मांगने आईं तीन बच्चियां और 40 हजार रुपये लेकर हुई फरार

विदिशा के अस्पताल रोड स्थित कलपुर्जा की एक दुकान से भीख मांगने आई तीन बच्चियों द्वारा 40 हजार रुपये चुराने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक ने कोतवाली थाने मे इसकी शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

विदिशा। विदिशा के अस्पताल रोड स्थित कलपुर्जा की एक दुकान से भीख मांगने आई तीन बच्चियों द्वारा 40 हजार रुपये चुराने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक ने कोतवाली थाने मे इसकी शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

वही दुकान संचालक शैलेन्द्र बासल ने बताया कि हर

दिन की तरह उनके मैनेजर किरण कुमार जैन बैंक में रुपये जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान तीन बच्चियां भीख मांगने आईं और काउंटर पर रखा सामान इधर–उधर करने लगीं और कर्मचारी उनसे बात करने लगा। इसी दौरान वह नजर बचाकर काउंटर पर रखे रुपये लेकर गायब हो गई। जब मैनेजर बैंक रुपये जमा करने जाने लगे तब पता चला कि रुपये चोरी हो गए हैं।

जिसके बाद कोतवाली थाने में सूचना दी। तब पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें एक छोटी 8 से 10 साल की बच्ची सहित तीन बच्चियां दिखाई दे रही हैं। इसके बाद पुलिस और वह स्वयं भी रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रामलीला चौराहा आदि जगह ढूड़ने पहुंचे, लेकिन बच्चियां कहीं नहीं मिली। इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज दुबे ने बताया कि फरियादी ने आवेदन दिया है जिस पर से जांच की जा रही है। पुलिस मौके पर पहुंची थी सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है। –हम समवेत

कालूराम मूलचंद गट्टानी शोभापुर

के सोने व चांदी की शुद्धता के विश्वास के साथ अब निर्माण की दुनिया में हमारी नई पहचान

AAC BLOCk Autoclaved, Aerated, Concrete

मकान, गोदाम, मॉल, होटल, बिल्डिंग्स, बाउंड्री वाल्स आदि निर्माण हेतु उपलब्ध

ब्लॉक साइज –

लम्बाई 24'' ऊंचाई 8'' 3'', 4''6'', 8''

लगाने में आसान, तराई की आवश्यकता नहीं, साधारण ईंट की तरह टूट-फूट नहीं, वजन में हल्का, मकान में सीलन से मुक्ति, प्लास्टर का खर्च कम, सीमेंट एवं रेत की आवश्यकता नहीं, दीवार पर आने वाले खार से मुक्ति, गर्मी में 4 से 5 डिग्री ठंडा, दीमक से मुक्ति

- ISI Mark Grade 1 AAC ब्लॉक्स
- समृद्धि प्लास्टिक्स
- पॉवर टूल्स एवं स्पेयर पार्टस
- LED लाईट्स
- कंस्ट्रक्शन केमिकल
- सुप्रीमो पानी की टंकिया
- RCC चौखट, जंगले, खिड़की एवं दरवाजे
- LED लाईट्स
- समस्त हार्डवेयर
- CPVC, UPVC, SWR, Pressure, VGD, Coloumn Pipe एंड फिटिंग्स

ब्लॉक्स हेतु जानकारी व आर्डर हेतु सम्पर्क करें

गट्टानी ट्रेडिंग कम्पनी मंडी रोड, गणेश मंदिर के पास, हथवांस, पिपरिया

मो. 8085256256, 9479914256 प्रोप्राईटर– आनंदा गट्टानी

चन्द्रकान्त अग्रवाल

(कर सलाहकार)

इन्कम टेक्स, टी.डी.एस., पेन कार्ड, जी.एस.टी. आदि से संबंधित कार्यों के लिये सम्पर्क करें।

पता–आनंद बाग रोड, राधाकृष्णन वार्ड, पिपरिया

मो. 9074606112, 9893803544

भारत स्टेशनरी

जयप्रकाश शाला के पास पिपरिया मोबाईल –9406561805

कापीयां, पुस्तक, पेन पेन्सिल, गाईड, स्कूल बैग स्टेशनरी के विक्रेता

कम्प्यूईराइजड रबर स्टेम्प बनाई जाती है।

फोटोकापी की सुविधा उपलब्ध है।

जबलपुर की फाइव स्टार होटल में देर रात लगी आग, चल रही थी पार्टी, हॉल जलकर खाक

जबलपुर के फाइव स्टार होटल विजन महल में सोमवार रात भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग होटल के एक हॉल में लगी थी जिसने तेजी से विकराल रूप ले लिया।

जबलपुर। जबलपुर के फाइव स्टार होटल विजन महल में सोमवार रात भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग होटल के एक हॉल में लगी थी जिसने तेजी से विकराल रूप ले लिया। देर रात एक पार्टी के दौरान इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, होटल का एक हॉल जलकर खाक हो गया है।

जिस दौरान होटल में आग लगी उसे दौरान होटल में एक बड़ी पार्टी चल रही थी मौके पर पहुंची दमकल की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आंग की लपटें देखते ही पार्टी में मौजूद लोगों मैं भगदड़ मच गई और लोग पार्टी छोड़कर भागने लगे। जैसे ही होटल में आग की घटना की सूचना मिली तुरंत मौके पर एक–एक करके फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंच गईं. अग्निशमन दल की तत्परता से आग हॉल के बाहर नहीं फैल पाई। जिस दौरान होटल में यह दुर्घटना घटी उस समय विजन महल में लगभग 500 गेस्ट मौजूद थे।

ये जबलपुर शहर की सबसे आलीशान होटलों में से एक है. होटल प्रबंधन का दावा है कि वे अपने उपभोक्ताओं को फाइव स्टार फैसिलिटी उपलब्ध करवाते हैं. हालांकि, इस घटना से होटल की स्टार रैंकिंग और बिल्डिंग की फायर सेफ्टी पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

–हम समवेत

पिपरिया में भोपाल मूल्य पर कम्प्यूटर प्राप्त करें ।
सेल्स एंड सर्विसेस
5/9/2019 से चालू
शुभ एसोसिएट्स
●ब्राण्डेड कम्प्यूटर ●कम्प्यूटर असेम्बलिंग● पुराने कम्प्यूटर अपग्रेडिंग● सेकेन्ड हेण्ड कम्प्यूटर उपलब्ध● कम्प्यूटर रिपेयरिंग ●कम्प्यूटर नेटवर्किंग ●मासिक चार्ज पर रखरखाव ●कम्प्यूटर पार्ट्स एवं एसेसरीज ●सभी प्रकार के प्रिंटर सेल्स एवं रिपेयरिंग● सभी प्रकार के टोनर की रिफिलिंग ।
पता– मस्जिद के सामने, मंगलवारा बाजार, पिपरिया
मो. 9981573050
intel inside ASUS COMPAQ HCL HEWLETT PACKARD

नित नई फैशन खुल गई ! खुल गई !! खुल गई !!!
बिना झिझक के खरीदे
बिना झिझक के खरीदें –सिर्फ
महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा
आपके अपने पिपरिया शहर में महिलाओं द्वारा सिर्फ महिलाओं के लिए महिला अंग वस्त्रों की सम्पूर्ण रेंज उपलब्ध हमारे यहां सभी प्रकार की फैंसी ब्रा, पेरिस ब्यूटी, टी नजर, शायोनारा, 16 प्लस, लबेबल, ड्रिक्सी, सिम्पलैक्स और भी कम्पनियों के - बेडिंग स्पेशल दुल्हनों के शापी का शानवदार सम्पूर्ण पैकेज वार्डल ब्रा पेटी सेट, बडिल, गाऊन सेट, दुल्हन, गाऊन और भी बहुत कुछ दुल्हनों के लिए ।
हमारे यहां जीन्स, टॉप, टी–शर्ट, स्टाल, लोअर, लेगी, सूट सेट, पिलाजो, नाईट गाऊन, गाऊन ए–1 गाऊन, कुर्ते, जेकिट
परम्परा कलेक्शन
दुकान नं. 6 जय प्रकाश शापिंग काम्पलेक्स, पिपरिया
मो. 8109570880, 9893570880

गीतोपनिषद

भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग के वर्णन की प्रस्तावना करके अब उसका रहस्यपूर्ण महत्व बतलाते हैं –

नेहाभिक्रमनाशोऽस्ति प्रत्यवायो न विद्यते ।
स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात् ।।40।।

इस कर्मयोग में आरम्भ का अर्थात् बीज का नाश नहीं है और उलटा फलरूप दोष भी नहीं है, बल्कि इस कर्मयोग रूप धर्म का थोड़ा–सा, भी साधन जन्म–मृत्युरूप महान् भय से रक्षा कर लेता है ।

कर्मयोग क्या है ?– शास्त्र विहित उत्तम क्रिया का नाम 'कर्म' है और समभाव का नाम 'योग' है । अतः ममता आसक्ति काम–क्रोध और लोभ–मोह आदि से रहित होकर जो समतापूर्वक अपने वर्ण, आश्रम, स्वभाव और परिस्थिति के अनुसार शास्त्रविहित कर्त्तव्य–कर्मों का आचरण करना है, वही कर्मयोग है । इसी को समत्वयोग बुद्धियोग, तदर्थकर्म, मदर्थकर्म और मत्कर्म भी कहते हैं ।

इस कर्मयोग का बीज एकबार पड़ जाये तो फिर वह नष्ट नहीं होता, उसके संस्कार साधक के अन्तःकरण में स्थित हो जाते हैं और वे साधक को दूसरे जन्म में जबरदस्ती पुनः साधन में लगा देते हैं । कर्मयोग स्वार्थरहित यज्ञ हैं और स्वार्थ रहित यज्ञ, दान, तप, सेवा आदि कर्मों के पालन में त्रुटि होने पर भी उसका विपरीत फलस्वरूप अनिष्ट नहीं होता ।

आगे–कर्मयोग में परम आवश्यक जो सिद्ध कर्मयोगी की निश्चयात्मिका स्थायी समबुद्धि है , उसका और कर्मयोग में बाधक जो सकाम मनुष्यों की भिन्न–भिन्न बुद्धियाँ हैं उनका भेद बतलाते हैं –

व्यवसायात्मिका बुद्धिरे केह कुरुनन्दन ।
बहुशाखा ह्यनन्ताश्च बुद्धयो ऽव्यवसायिनाम् ।।4।।

हे अर्जुन ! इस कर्मयोग में निश्चयात्मिका बुद्धि एक ही होती हैं, किन्तु अस्थिर विचार वाले विवेकहीन सकाम मनुष्यों की बुद्धियाँ निश्चय ही बहुत भेदों वाली और अनन्त होतीं हैं ।।4।

'व्यवसायात्मिका'–यह पद अटल, स्थिर, निश्चयात्मिका समबुद्धि पद का विशेषण है ।

अव्यवसायिनाम–जिनमें निश्चयात्मिका बुद्धि नहीं है उन सकाम भाव से यज्ञन करने वाले मनुष्यों के भिन्न–भिन्न उद्देश्य रहते हैं । कोई एक किसी भोग की प्राप्ति के लिए किसी प्रकार का कर्म करता है , तो दूसरा उससे भिन्न किन्हीं दूसरे ही भोगों की प्राप्ति के लिए दूसरे ही प्रकार के करता है । इस प्रकार संसार के समस्त पदार्थों में व्यक्तियों में और घटनाओं में उनकी अनेक प्रकार से विषमबुद्धि रहती है और उसके अनन्त भेद होते हैं ।

मनोज कुमार पांडेय (संस्कृताध्यापक)
शास. कन्या उ.मा. वि. पिपरिया
मो. 9926437890

मतगणना के संबंध में मीडियाकर्मियों के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश

जनसंपर्क नर्मदापुरम । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना स्थल पर मीडिया कर्मियों के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए है। आयोग के निर्देश अनुसार मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान मोबाइल ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। मीडियाकर्मी केवल मतगणना स्थल पर बने मीडिया सेंटर तक एक मोबाइल, कैमरा, लैपटॉप, ट्रायपॉड ले जा सकेंगे। मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान मीडिया के लिए चिन्हित स्थान तक अल्प अवधि के लिए मीडिया कर्मियों को वीडियो कैमरा एवं स्टील कैमरा ले जाने की अनुमति होगी। मतगणना कक्ष के भ्रमण के दौरान व्यक्तिगत सीयू/वीवीपैट या मतपत्र पर दर्ज किए गए मतदान की तस्वीर खींचना प्रतिबंधित है। मीडियाकर्मी सीमित संख्या के बैच में स्कॉट ऑफिसर्स के साथ ही मतगणना कक्ष का भ्रमण करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पासधारी मीडिया कर्मियों को ही मतगणना स्थल/मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति होगी।

कलेक्ट्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में जीपीएस कंट्रोल रूम में जारी है निर्वाचन में संलग्न वाहनों की निगरानी

नर्मदापुरम –लोकसभा निर्वाचन को सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न करने हेतु विभिन्न आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है इसी के तहत कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में जिले में जीपीएस कंट्रोल रूम बनाया गया है । कंट्रोल रूम में निवार्चन कार्य में संलग्न वाहनों की निरंतर निगरानी की गई थी। आनंद झैरवार जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया कि निर्वाचन कार्य में जो वाहन संलग्न किये गये थे उनमें मतदान दल के सांथ संलग्न वाहनों से सामग्री जमा होने के पश्चात जीपीएस निकाल लिये हैं। शेष रिजर्व वाहनों के जीपीएस निकालने का कार्य किया जा रहा है। श्री झैरवार ने बताया कि कंट्रोल रूम से देखकर जीपीएस निकालने का कार्य सिवनी मालवा, सोहागपुर, पिपरिया एवं जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में किया जा रहे हैं ।

मे. शुभम् ट्रेडर्स
क्या बिजली पानी समस्या से परेशान है , समस्या आपकी, समाधान हमारा
कुशल इंजीनियरों से निर्मित उत्तम गुणवत्ता व विश्वनीयता का बेजोड़ संगम
अधिकृत विक्रय–(1) सागा सिंगल थ्रीफेस मोनो एवं सम्मरशिबल पम्पस् अहमदाबाद गुजरात (2) रिगमेना सम्मरशिबल राजकोट V-3-V-4-V-6-V-7, (3) स्वयं P.V.C. केसिंग पाइप 3" से 12" साइजों में उपलब्ध ❊ विशाल एवं स्प्रिंकलर्स पाइप (4) जनरेटर, सेट, डीजल ऐंजिन उत्तम, बीज (5) प्रीमियर फाउन्टेन कोलकता (6) अन्य स्टारटर एल एंड टी, एच.पी.एल, आटो स्विच केवल व अन्य कृषि सामग्री के विक्रेता एवं गवर्मेन्ट सप्लायर
दिमाग पर ज्यादा जोर न लगायें । अपने पैसों से सही सुविधा पायें ।।
निवास–गली नं. 3 सरदार वार्ड पिपरिया Mob. 9630556704,9993283326

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

अखण्ड ज्योति

ऋषि चिंतन के सान्निध्य में

अपने में अच्छी आदतें डालिए

आदत, बिजली की शक्ति के समान तेज और शक्तिशाली होती हैं। मनुष्य अपनी आदत का एक खिलौना बन जाता है और उसी के आधार पर उसके भविष्य का निर्माण होता है। कारण यह है कि उसे अपनी आदत के समान मित्र, साधन, विचार और अवसर बराबर प्राप्त होते रहते हैं। एक-सी आदत वालों में स्वाभाविक प्रेम और एक दूसरे के विरुद्ध आदत वालों में स्वाभाविक भिन्नता बिना किसी परिचय के ही पाई जाती है।

पुरानी आदतें नई आदतों के बजाए अधिक शक्तिशाली होती हैं। जब कभी आप नई आदतों का बीजारोपण करना चाहते हैं, तो पुरानी आदतें उसमें बार-बार बाधा डालती हैं और नई आदत को बढ़ने से रोकती हैं। इससे वह नई आदत डालने वाला व्यक्ति घबरा कर निराश हो जाता है और जब तक वह आदत के सिद्धांत और असलियत का अनुभव नहीं कर लेता, सोचता है कि वह बदनसीब है, परन्तु ऐसा सोचना भूल है। पुरानी आदतें जो आज इतनी प्रबल हो रही हैं, एक दिन में नहीं पड़ गई हैं। काफी लंबे समय तक, काफी दिलचस्पी के साथ अनेक बार उन्हें क्रिया-रूप में परिणत किया गया है , तब ये आज इतनी मजबूत बन पाई हैं कि हमारे मन पर वे अधिकार जमा सकीं हैं और नई आदतों को न जमने देने के लिए संघर्ष करती हैं। आप अच्छी आदत डालिए क्योंकि आदतों से ही मनुष्य की जीवन-धारा का निर्माण होता है।

-अखण्ड ज्योति-मई 1949 पृष्ठ-31

करें नवशिशु का स्वागत, प्यार दुलार।
न्यू ललित किड्स कॉर्नर में श्रीमान् पधारें।

नवशिशु के स्वागत के लिए- गद्दे तकिये सेट, मच्छरदानी, बाकर बाबागाड़ी, झूला, खेल खिलौने आदि की विस्तृत श्रृंखला।
साथ ही आप सभी के लिए अंडर गारमेंट्स की संपूर्ण रेंज।

न्यू ललित होजरी एण्ड किड्स कार्नर
3-4 ललित आर्केड, मीठी गली , पिपरिया

गोपी गहना

चांदी, सोना के आभूषण विक्रेता
अब आनन्द बाग मार्ग चिन्ताहरण मंदिर के पास
पुलिया के सामने पहली दुकान।
फोन-(07576) 220502, मो. 9425475981, 7693075981

कलेक्टर सोनिया मीना को सारिका ने स्वीप गतिविधियों की सौंपी रिपोर्ट

कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन एवं पहल पर नर्मदापुरम जिले में की गई नवाचारी स्वीप गतिविधि

जनसंपर्क नर्मदापुरम ।आज स्वीप आइकॉन सारिका घारू ने स्वयं की स्वीप गतिविधियों की रिपोर्ट कलेक्टर सोनिया मीना को सौंपी।

सारिका ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में की गई उनकी स्वीप गतिविधि आम लोगों, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, केंद्रीय कर्मचारियों, नवमतदाताओं के बीच पहुंच कर एवं मीडिया के माध्यम से निर्वाचन आयोग की सुविधाओं, ईवीएम तथा वीवीपैट की जानकारी देकर सही मतदान करने के बारे में बताती थी।

वे जिंगल का प्रयोग लोकनृत्य, लोकगीत जैसी विधा के माध्यम से संदेश पहुंचाती थीं।

सारिका ने बताया कि उन्होंने टेलिस्कोप से स्टार गेजिंग, फ्लैश मॉब, कठपुतली शो, दिव्यांग केंद्रों एवं वृद्धाश्रम में अलग से जागरूकता कार्यक्रम, कृषि उपज मंडी मे किसानों से बात, कारखानों में श्रमिकों से बात जैसे नवाचारी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किये गये। उन्होंने बताया कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा दिया गया प्रोत्साहन से वे ऐसा कर पा रही हैं।

कार्यालय::विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी (म.प्र.)

क्रं0/ 294 /साडा/पच/2024 पचमढ़ी दिनांक – 02/05/2024

संक्षिप्त निविदा सूचना

उपरोक्त के संदर्भ में लेख है कि, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अपने आधिपत्य की यूनिट न्यू होटल के मुख्य द्वार का काउकेचर रिपेयर कर साईज बढवाकर रिफिक्स करवाना तथा काउकेचर के होल से पानी के निकासी के लिये नाली कनेक्ट करना चाहता है।

इच्छुक सुधारकर्ता मय सामग्री के अपनी-अपनी दरें बन्द लिफाफे में दिनांक 09/05/2024 तक रूपये 3000/- की अमानत राशि के साथ दोपहर 03:00 बजे तक जमा कर सकते है, बाद में प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण
पचमढ़ी

कार्यालय::विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी (म.प्र.)

क्रं0/ 296 /साडा/पच/2024 पचमढ़ी दिनांक – 02/05/2024

संक्षिप्त निविदा सूचना

उपरोक्त के संदर्भ में लेख है कि, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अपने आधिपत्य के समस्त उद्यानों के झूले तथा ओपन जिम की मरम्मत एवं पुताई करवाना चाहता है, जिसमें झूलों के बैरिंग बदले जाना शामिल है।

इच्छुक सुधारकर्ता मय सामग्री के अपनी-अपनी दरें बन्द लिफाफे में दिनांक 09/05/2024 तक रूपये 2000/- की अमानत राशि के साथ दोपहर 03:00 बजे तक जमा कर सकते है, बाद में प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण
पचमढ़ी

कार्यालय::विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी (म.प्र.)

क्रं0/ 298 /साडा/पच/2024 पचमढ़ी दिनांक – 02/05/2024

संक्षिप्त निविदा सूचना

उपरोक्त के संदर्भ में लेख है कि, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अपने आधिपत्य के सार्वजनिक स्थानों पर दो से तीन वाटर ए.टी.एम. रिपेयर करवाकर फिक्स करवाना चाहता है, जिसमें ओवरहेड वाटर टेंक में पानी कनेक्शन भी किया जाना होगा।

इच्छुक सुधारकर्ता ठेकेदार मय सामग्री के अपनी-अपनी दरें बन्द लिफाफे में दिनांक 09/05/2024 तक रूपये 3000/- की अमानत राशि के साथ दोपहर 03:00 बजे तक जमा कर सकते है, बाद में प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण
पचमढ़ी

राष्ट्र–गीत 'वंदे–मातरम' एवं राष्ट्र–गान 'जन–गण–मन' के सामूहिक गायन से हुई माह के प्रथम कार्यदिवस की शुरुआत

जनसंपर्क नर्मदापुरम । मई माह के प्रथम कार्य दिवस की शुरुआत संभागायुक्त कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन–गण–मन के सामूहिक गायन के साथ हुई। इस अवसर पर आयुक्ष्त कार्यालय नर्मदापुरम संभाग तथा कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम के सभी अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वसनीयता ।। श्री महावीराय नमः ।। उचित दाम

श्री विजय जेम्स & ज्वेलर्स

(सोने, चांदी, हीरे के आभूषणों एवं राशि रत्नों के विक्रेता)

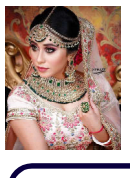

हमारे यहां समस्त असली राशि रत्न, उपरत्न, स्फटिक श्रीयंत्र शिवलिंग, माला, नवरत्न अंगूठी, ब्रेसलेट, कड़े, पारदेश्वर गोल्डप्लेटेड यंत्र उचित दाम पर उपलब्ध है।

असली प्राकृतिक, लक्ष्मी प्रदाता, सुख समृद्धिदायक, दक्षिणावर्ती शंख एवं एक मुखी रूद्राक्ष उपलब्ध है।

सांडिया रोड, पालीवाल गैस एजेंसी के पास, पिपरिया
प्रो. सचिन जैन मो. 9425475891, 9425475431

पानी की किल्लत से छुटकारा.....

अपने मकान, खेत, (दुकान में नलकूप या जेटपंप बोरिंग हेतु संपर्क करें।
पूर्ण गारंटी एवं उचित दाम
4" से 24" ट्यूवलेल बोरिंग, पाईप, सवमर्सीबल पंप सेट हेतु विश्वनीय प्रतिष्ठान

महावीर पाइप्स

गीतांजली शापिंग काम्पलेक्स, शोभापुर रोड, पिपरिया
मो. 9425040827, 9806593136

जनहित में जारी जन–घोषणापत्र

☐ आशीष कोठारी

आम चुनाव की इस बेला में कमोबेश हरेक रंगों–झंडों वाली राजनीतिक पार्टियों ने अपने–अपने घोषणापत्र जारी किए हैं, ताकि सभी खास–ओ–आम को पता चल जाए कि वे अगले पांच साल में क्या–क्या करने और क्या नहीं करने वाली हैं। ऐसे में ठेठ ग्रामीण, मैदानी इलाकों में सक्रिय करीब 85 संगठनों, संस्थाओं के 'विकल्प संगम' ने अपनी बात रखने की खातिर अपना घोषणापत्र भी जारी किया है। क्या है, इस घोषणापत्र में? बता रहे हैं, आशीष कोठारी। संपादक

दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत भी कई संकटों का सामना कर रहा है सत्तावादी राजनीतिक ताकतों का उदय, धार्मिक व जातीय दमन और संघर्ष, पारिस्थितिकी की बदहाली, बेरोजगारी आदि। इस बीच भारत सरकार अपनी नीतियों और कार्यक्रमों की आलोचना करने वाले कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और वकीलों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करके, विपक्षी सांसदों को थोक में निलंबित करके और विपक्षी पार्टी के चुने गये मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार करके लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाने की कोशिश कर रही है।

उपरोक्त संदर्भ में 85 जन–आंदोलनों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा न्यायसंगत, समतामूलक और टिकाऊ भारत के लिए 'जन–घोषणापत्र' तैयार करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है। ये समूह एक दशक पुराने राष्ट्रीय मंच 'विकल्प संगम' के तहत एकत्रित हुए हैं जो जैविक खाद्य उत्पादन, विकेंद्रीकृत जल संचयन और प्रबंधन, समुदाय–आधारित ऊर्जा उत्पादन, सम्मानजनक आवास और बस्तियां, सार्थक शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा, स्थानीय रूप से सशक्त निर्णय लेने, विनाशकारी परियोजनाओं के खिलाफ प्रतिरोध पर काम करने वाली सैकड़ों पहलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस 'जन–घोषणापत्र' का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भारत में 2024 के आम चुनाव हैं। नागरिक समाज को लगता है कि उपरोक्त मुद्दों को उठाना 'भारतीय जनता पार्टी' के उस विशाल किले में सेंध लगाने के लिए महत्वपूर्ण है जिसे धार्मिक और आर्थिक रूप से दक्षिणपंथी पार्टी के रूप में उसने हासिल किया है। घोषणापत्र में बड़ी संख्या में सिफारिशें या मांगें राजनीतिक सत्ता में बैठे लोगों या इसकी आकांक्षा रखने वालों पर केंद्रित हैं, लेकिन कई खुद नागरिक समाज के लिए भी हैं।

<u>अर्थव्यवस्था को बदलना</u>

'सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी' के अनुसार बेरोजगारी के बहुत गंभीर संकट (2000 के दशक की शुरुआत में लगभग 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023 के अंत में लगभग 9 प्रतिशत तक) को ध्यान में रखते हुए, घोषणापत्र छोटे विनिर्माण, शिल्प, मूल्य–वर्धित उपज पर प्राथमिकता से ध्यान देने का आग्रह करता है। कृषि, वानिकी, मत्स्यपालन, पशुपालन और विकेन्द्रीकृत सेवाएं सम्मानजनक और उत्पादक आजीविका प्रदान कर सकते हैं। इन्हें व्यवहारिक बनाने के लिए हस्तनिर्मित और छोटे विनिर्माण के माध्यम से उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं और सेवाओं को, बड़े उद्योगों और संस्थानों की बजाय, उनके लिए आरक्षित किया जाना चाहिए जिनमें मशीनीकरण के कारण रोजगार में कमी हुई है।

'विकल्प संगम' ने अपनी वेबसाइट पर ऐसे प्रयासों के सैकड़ों उदाहरण संकलित किए हैं जिनमें ग्रामीण पुनरुद्धार की कहानियां हैं, जिनके कारण पलायन में कमी आई है और कई मामलों में शहरों और बड़े उद्योगों से गांवों और छोटे विनिर्माण या शिल्प की ओर फिर से लोग आ रहे हैं। कृषि या अन्य भूमि–आधारित व्यवसायों की दर्जनों कहानियां हैं, जिन्हें कभी–कभी 'होमस्टे–पर्यटन' जैसे नए व्यवसायों के साथ जोड़ दिया जाता है, जो लाभकारी होते हैं। ऐसे उदाहरण युवाओं तक नहीं पहुंच पाते। इसका एक कारण है, ऐसी आर्थिक नीतियों का निरंतर वर्चस्व, जिसमें बड़े उद्योग को भारी सब्सिडी देना और छोटे या हस्तनिर्मित उत्पादन के लिए कुछ कम प्रयास करना शामिल है। पिछले कुछ दशकों में भारत में आर्थिक असमानता काफी बढ़ी है। 'विश्व असमानता रिपोर्ट 2022' के अनुसार सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों के पास देश की संपत्ति का 57 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 'निचले' 50 प्रतिशत के पास सिर्फ 13 प्रतिशत। 1991 के तथाकथित 'आर्थिक सुधारों' से पहले, इनका हिस्सा 40 प्रतिशत से कुछ कम था।

<u>लोकतंत्र को मजबूत करना</u>

'विकल्प संगम' के घटकों को एहसास है कि आर्थिक स्थानीयकरण, आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक आजीविका और सामूहिक उत्पादन के लिये जरूरी हैं, कुछ मूलभूत राजनीतिक परिवर्तन। भारतीय राज्य की बढ़ती अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए घोषणापत्र वास्तविक स्वराज की ओर बढ़ने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने के सुझाव देता है। ध्यान रखें, तीन दशक पहले राजनीतिक विकेंद्रीकरण की दिशा में कुछ प्रगतिशील संवैधानिक और कानूनी बदलाव किये गये थे, लेकिन उन्हें अधूरा छोड़ दिया गया था।

इस संदर्भ में विशेष महत्व 73वें और 74वें संविधान संशोधनों का पूर्ण कार्यान्वयन का है, जिन्होंने ग्रामीण और शहरी समाज को कुछ शक्तियां प्रदान कीं, लेकिन इससे भी आगे बढ़कर, लोकतंत्र के अधिक मौलिक या प्रत्यक्ष रूपों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए वित्तीय और कानूनी शक्तियों का हस्तांतरण भी किया। सामूहिक संसाधनों पर सामुदायिक प्रशासन और जमीन, प्रकृति, ज्ञान, प्रौद्योगिकी का प्रबंधन भी इसके लिए महत्वपूर्ण हैं।

चुनाव आयोग, जांच एजेंसियों और मीडिया जैसी स्वतंत्र मानी जाने वाली संस्थाओं के कामकाज में खुलेआम घुसपैठ और हस्तक्षेप को देखते हुए उन्हें राज्य से दूर करने के लिए कदम उठाने की मांग की गई है। पिछले कुछ वर्षों में शांतिपूर्ण असहमति पर नाजायज कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए घोषणापत्र में 'गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम' और 'राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम' जैसे बार–बार दुरुपयोग किए जा रहे कानूनों को निरस्त करने की मांग की गई है।

<u>सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन</u>

भारत विभिन्न प्रकार की अल्पसंख्यक आबादी (विशेष रूप से मुसलमानों, ईसाइयों, आदिवासियों या जनजातीय लोगों) की पारंपरिक और नई कमजोरियों के आधार पर अंतर–धार्मिक और अंतर–जातीय संघर्ष, घृणास्पद भाषण और धार्मिक असहिष्णुता से ग्रस्त है। घोषणापत्र में संवाद के मंच स्थापित करने और सह–अस्तित्व को बहाल करने, लंबे समय से चली आ रही समन्वयवादी परंपराओं को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया गया है।

घोषणापत्र सभी रूपों में सांस्कृतिक विविधता की मान्यता, निरंतरता और पुनरुद्धार का आग्रह करता है। इसके लिए यह शैक्षिक प्रणाली में बदलाव का भी सुझाव देता है, जो दुर्भाग्य से एकरूपता के लिए एक मजबूत शक्ति बन गई है। उदाहरण के लिए शिक्षण में भारत की 780 जीवित भाषाओं को सक्षम बनाने की बजाय 20–25 राज्य–मान्यता प्राप्त भाषाओं का वर्चस्व है। घोषणापत्र मातृभाषा आधारित, गतिविधि–केंद्रित, सांस्कृतिक और पारिस्थितिकी की जडों से जुडी शिक्षा की सिफारिश करता है और शिक्षा के लिए 'सकल घरेलू उत्पाद' (जीडीपी) का 6 प्रतिशत आरक्षित करने का सुझाव देता है।

घोषणापत्र में कहा गया है कि लोग निजी चिकित्सा देखभाल का सहारा लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं और यह घरेलू खर्च पर एक बड़ा दबाव है। इसमें आग्रह किया गया है कि 'जीडीपी' का कम–से–कम 3 प्रतिशत स्वास्थ्य के लिए रखा जाए, जिसमें एक मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र को वापस लाना, सामुदायिक क्षमताओं को बढ़ावा देना और भारत की कई पारंपरिक और नई स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ावा देना शामिल हो। यह पर्याप्त पोषण, सुरक्षित पानी और स्वस्थ जीवन के अन्य निर्धारकों के माध्यम से खराब स्वास्थ्य को रोकने को प्राथमिकता देने के लिए भी कहता है।

<u>पारिस्थितिकी सुरक्षा की ओर</u>

भारत में सैकड़ों प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर हैं, 65 प्रतिशत से अधिक भूमि ख़राब हो गई है, अधिकांश जलस्रोत बुरी तरह प्रदूषित हैं, दुनिया के कई सबसे अधिक वायु–प्रदूषित शहर यहां हैं। कचरे की एक बड़ी समस्या, भोजन में कीटनाशकों जैसे विषाक्त पदार्थ और पानी सुरक्षित स्तर से काफी नीचे है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही लाखों लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। लोगों के संघर्षों और सरकार के भीतर कुछ प्रगतिशील तत्वों द्वारा 1970 के दशक में लाए गए कई कानूनों और नीतियों को अब व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है, ताकि कॉर्पोरेट्स को भूमि, जंगल, पानी और अन्य संसाधनों को हड़पने में सक्षम बनाया जा सके।

इसके मद्देनजर घोषणापत्र पारिस्थितिकी क्षरण को उलटने और प्रकृति की रक्षा के लिए कार्रवाई का आग्रह करता है। इसमें एक 'राष्ट्रीय भूमि और जलनीति' शामिल है, जो महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी मूल्यों (जैसे पानी और मिट्टी) की रक्षा करती हो। 'वन अधिकार अधिनियम' की तरह यह पारिस्थितिकी तंत्र पर सामूहिक अधिकारों के माध्यम से वन्य–जीवन और जैव– विविधता के प्रभावी और समुदायिक नेतृत्व वाले संरक्षण की मांग करता है।

घोषणापत्र 2040 तक भारत की खेती को जैव–विविधता पर आधारित तरीकों की तरफ पूर्ण रूप से परिवर्तित करने, खतरनाक विषाक्त उत्पादों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और उत्पादन में भारी कटौती का आग्रह करता है। घोषणापत्र में प्लास्टिक और अन्य गैर–जैविक सामग्रियों पर प्रतिबंध, उन्हें पर्यावरण–संवेदी सामग्रियों से प्रतिस्थापित करने, समुदायों द्वारा प्रबंधित विकेंद्रीकृत जल–संचयन और प्रबंधन का सुझाव दिया गया है। विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा, 2030 तक जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना और उर्जा की फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाना प्राथमिक मांगे हैं।

घोषणापत्र 'पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन' और वन मंजूरी प्रक्रियाओं को कमजोर करने के कदम वापस लेने और परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन को शुरू करने के लिए कहता है। एक 'राष्ट्रीय पर्यावरण आयुक्त' की सिफारिश की गई है जिसे उसी स्वतंत्र, संवैधानिक हैसियत का होना चाहिए जैसे 'चुनाव आयुक्त,' 'राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग' या 'नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक' हैं।

<u>क्या कोई सुन रहा है?</u>

'विकल्प संगम' का घोषणापत्र एक विस्तृत 25 पेज का दस्तावेज़ है। भारत के सभी क्षेत्रों में इसे पढा जा सके, इसलिये इसका कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी किया गया है। घोषणापत्र जमीनी स्तर पर चल रहे संघर्षों से उभरे प्रत्यक्ष और जवाबदेह लोकतंत्र, आर्थिक आत्मनिर्भरता, पारिस्थितिक जिम्मेदारी और सामाजिक– सांस्कृतिक समानता की धारणाओं से युक्त है, लेकिन क्या इसे कोई सुनेगा? विशेष रूप से, क्या वे लोग जिनके हाथों में फिलवक्त अत्यधिक, केंद्रीकृत शक्ति है, सुनने और समझने के इच्छुक और सक्षम होंगे? क्या घोषणापत्र वर्तमान निराशाजनक प्रतीत होने वाली राजनीतिक और आर्थिक तस्वीर में कुछ बदलाव ला पाएगा? (सप्रेस) (बाबा मायाराम द्वारा अनुवादित)

☐ श्री आशीष कोठारी 'कल्पवृक्ष' व 'विकल्प संगम' के साथ कार्यरत हैं।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 1247298 मतदाताओं ने किया मतदान

687674 पुरुष और 559594 महिला तथा 30 अन्य मतदाताओं ने अपने मताधिकार का किया उपयोग

जिले में कुल 650505 मतदाताओं ने दर्ज कराई लोकतंत्र के महोत्सव में अपनी भागीदारी

354373 पुरुष और 296108 महिला तथा 24 अन्य मतदाताओं ने किया मतदान

जनसंपर्क नर्मदापुरम ।लोलोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 के तहत संपूर्ण संसदीय क्षेत्र एवं जिलेभर में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। संसदीय क्षेत्र की बात करें तो पूरे क्षेत्र में 1247298 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 687674 पुरुष मतदाता एवं 559594 महिला मतदाताओं तथा 30 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाली जिले की चारों विधानसभा में कुल 650505 मतदाताओं ने मतदान किया। इस दौरान 354373 पुरुष मतदाओं और 296108 महिला मतदाताओं सहित 24 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र की नरसिंहपुर विधानसभा में कुल 156808 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 85555 पुरुष तथा 71251 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। तेंदूखेड़ा विधानसभा में कुल 133255 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 73897 पुरुष तथा 59358 महिला मतदाता एवं 0 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। गाडरवारा विधानसभा में कुल 145617 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 81548 पुरुष तथा 64067 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। उदयपुरा विधानसभा में कुल 161113 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92301 पुरुष तथा 68810 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। वही नर्मदापुरम जिले की बात करें तो सिवनीमालवा विधानसभा में कुल 172715 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93593 पुरुष तथा 79116 महिला मतदाता एवं 6 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। होशंगाबाद विधानसभा में 139690 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 74727 पुरुषों और 64956 महिला मतदाताओं तथा 7 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। सोहागपुर विधानसभा में 167117 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92859 पुरुषों और 74252 महिला तथा 6 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। पिपरिया विधानसभा में 170983 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93194 पुरुषों और 77784 महिला मतदाताओं तथा 5 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया।

संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद की आठों विधानसभाओं में कुल 71.73 प्रतिशत पुरुषों ने,एवं 62.39 प्रतिशत महिलाओं ने तथा 56.6 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मतदान किया।

कोविशील्ड वैक्सीन से हो सकता है हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक, खुद कंपनी ने कबूली बात

एस्ट्रेजेनेका ने ब्रिटेन की एक अदालत में यह कबूलनामा दायर किया है, भारत में करोड़ों लोगों को यह वैक्सीन लगाई गई थी

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से बचने के लिए भारत में करोड़ों लोगों को लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खुद इस वैक्सीन की निर्माता कम्पनी ने वैक्सीन से होने वाले दुष्प्रभाव की बात कबूली है। कम्पनी ने कहा है कि इस वैक्सीन को लगाने वाले लोगों को हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या हो सकती है।

कोविशील्ड की निर्माता कम्पनी एस्ट्रेजेनेका ने ब्रिटेन की एक अदालत में कबूलनामा दायर किया है। अपने कबूलनामे में कम्पनी ने अदालत को बताया है कि उसकी वैक्सीन से लोगों को खून के थक्के जमने जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जिसके चलते लोगों को हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक भी हो सकता है और उन्हें प्लेटलेट्स गिरने जैसी समस्या भी हो सकती है। हालांकि कोर्ट में अपने इस कबूलनामे के साथ साथ कम्पनी ने अपने बचाव में यह भी कहा है कि ऐसी समस्या सिर्फ दुर्लभ मामलों में पैदा हो सकती है।

क्या है मामला

ब्रिटेन के एक नागरिक जेमी स्कॉट ने कोर्ट में कम्पनी के खिलाफ एक याचिका दाखिल है, जिसमें उन्होंने कहा है कि कोविशील्ड वैक्सीन लगाने के बाद उन्हें ब्रेन डैमेज की समस्या से जूझना पड़ा है। जेमी स्कॉट के अलावा भी अन्य कई लोगों ने कम्पनी के खिलाफ कोर्ट में मुआवजे की मांग करते हुए याचिका दायर की हुई है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि इस वैक्सीन को लगाने के बाद उन्हें कई तरह के शारीरिक विकारों का सामना करना पड़ा है।

इसी मामले में अपना पक्ष रखने के दौरान एस्ट्रेजेनेका को यह बड़ा खुलासा करने पर मजबूर होना पड़ा। कम्पनी ने कहा कि उसकी वैक्सीन दुर्लभ मामलों में ज्जै (थ्रोंबोसाइटोपेनिया) सिंड्रोम की वजह बन सकता है। यह सिंड्रोम शरीर में खून के थक्के जमने से पैदा होता है, जोकि हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्याओं का कारक बनता है।

भारत में करोड़ों लोगों ने लगाई है यह वैक्सीन

भारत में कोविशील्ड को पुणे स्थित अदार पूनावाला के सीरम इंस्टीट्यूट में उत्पादित किया गया था। भारत में कोविशील्ड के अलावा कोवैक्सीन दो प्रमुख ऐसी वैक्सीन थीं, जिन्हें अधिकतर जनता ने लगवाया था। टीकाकरण के बाद भारत में हार्ट अटैक के मामलों में इज़ाफ़ा देखने को भी मिला है। आए दिन बेहद कम उम्र के युवाओं की हार्ट अटैक से मृत्यु होने की खबरें भी आती रहती हैं। ऐसे में खुद कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी के इस कबूलनामे ने कई तरह की शंकाओं को जन्म दे दिया है।

-हम समवेत

हाल, दुकान उपलब्ध

दुकान, आफिस, कियोस्क के लिए किराये पर देना है।

विशेषताएं–

- प्राइम लोकेशन पर उपलब्ध
- वाइड कोरिडोर
- भूकम्प रोधी तकनिक से युक्त
- वाशरूम की सुविधा
- विट्रिफिएड प्लोरिंग

इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें –

स्थान –सिद्धेश्वर कॉम्पलेक्स पचमढ़ी रोड नाके के पास, पिपरिया , मो. 7748884849

प्लाट के रेट में मकान

पचमढ़ी रोड पर मेन रोड से 100-150 फुट अन्दर पक्का बना हुआ लगभग 30 x 90 में बेचना है। कीमत एक हजार रुपया वर्गफुट है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

मो. 9425708959

28 अप्रैल से ....

बेचना है ।

हुन्डई वरना कार चालू हालत में सभी कागज कम्पलीट 2006 मॉडल बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

मो. 9425475498

प्लाट के रेट में मकान

पचमढ़ी रोड पर मेन रोड से 100-150 फुट अन्दर पक्का बना हुआ लगभग 30 x 90 में बेचना है। कीमत एक हजार रुपया वर्गफुट है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

मो. 9425708959

28 अप्रैल से ....

AYUSHI MUSIC ACADEMY

No Age Limit Contact-Mob. 968598919, 7773097251

INDIAN CLASSICAL | SINGING CLASSICAL

SEMI CLASSICAL | BHAJAN

BOLLYWOOD ETC | DANCE CLASS

Sangeet Shikshak -

Ayushi Purohit (M. A Music)

Aakash Sir (B. A Music)

Affiliated to Prayag Sangeet Sansthaan Allahabad

Instrument Classes-Harmonium-Tabla-Dholak-Guitar-Keyboard-etc

Pachmarhi Road Above Parmgeeta Lodge Pipariya (M.P.)

द्वारका स्वीटस् एवं चाट सेंटर

डोसा, इडली, बड़ा साबर समौसा, कचौड़ी एवं देशी मिठाईयां

ताजी लस्सी

मो. 9425310452

(पुड़ी सब्जी–गरमा गरम)

कहानी

भीष्म पितामह – सम्पूर्ण कहानी – पूर्वजन्म से मृत्यु तक

महाभारत एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें कई नायक हैं। उनमें से एक नायक भीष्म पितामह भी हैं। सभी लोग जानते हैं कि भीष्म पितामह ने महाभारत की लड़ाई में कौरवों की ओर से युद्ध किया था, लेकिन बहुत से लोग उनके जीवन से जुड़ी बड़ी घटनाओं के बारे में नहीं जानते जैसे– भीष्म पितामह पूर्व जन्म में कौन थे, किसके श्राप के कारण उन्हें मनुष्य योनि में जन्म लेना पड़ा। उनके गुरु कौन थे और उन्हें क्यों अपने ही गुरु से युद्ध करना पड़ा? आज हम आप सब को इस लेख में भीष्म पितामह के पूर्वजन्म से लेकर उनकी इच्छा मृत्यु तक की सम्पूर्ण कथा बताएँगे।

पूर्व जन्म में वसु थे भीष्म

महाभारत के आदि पर्व के अनुसार एक बार पृथु आदि वसु अपनी पत्नियों के साथ मेरु पर्वत पर भ्रमण कर रहे थे। वहां वसिष्ठ ऋषि का आश्रम भी था। एक वसु पत्नी की दृष्टि ऋषि वसिष्ठ के आश्रम में बंधी नंदिनी नामक गाय पर पड़ गई। उसने उसे अपने पति द्यौ नामक वसु को दिखाया तथा कहा कि वह यह गाय अपनी सखियों के लिए चाहती है।

पत्नी की बात मानकर द्यौ ने अपने भाइयों के साथ उस गाय का हरण कर लिया। जब महर्षि वसिष्ठ अपने आश्रम आए तो उन्होंने दिव्य दृष्टि से सारी बात जान ली। वसुओं के इस कार्य से क्रोधित होकर ऋषि ने उन्हें मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया। जब सभी वसु ऋषि वसिष्ठ से क्षमा मांगने आए।

तब ऋषि ने कहा कि तुम सभी वसुओं को तो शीघ्र ही मनुष्य योनि से मुक्ति मिल जाएगी, लेकिन इस द्यौ नामक वसु को अपने कर्म भोगने के लिए बहुत दिनों तक पृथ्वीलोक में रहना पड़ेगा। महाभारत के अनुसार द्यौ नामक वसु ने गंगापुत्र भीष्म के रूप में जन्म लिया था। श्राप के प्रभाव से वे लंबे समय तक पृथ्वी पर रहे तथा अंत में इच्छामृत्यु से प्राण त्यागे।

कैसे हुआ भीष्म पितामह का जन्म

भीष्म पितामह के पिता का नाम राजा शांतनु था। एक बार शांतनु शिकार खेलते–खेलते गंगातट पर जा पहुंचे। उन्होंने वहां एक परम सुंदर स्त्री देखी। उसके रूप को देखकर शांतनु उस पर मोहित हो गए। शांतनु ने उसका परिचय पूछते हुए उसे अपनी पत्नी बनने को कहा। उस स्त्री ने इसकी स्वीकृति दे दी, लेकिन एक शर्त रखी कि आप कभी भी मुझे किसी भी काम के लिए रोकेंगे नहीं अन्यथा उसी पल मैं आपको छोड़कर चली जाऊंगी। शांतनु ने यह शर्त स्वीकार कर ली तथा उस स्त्री से विवाह कर लिया।

इस प्रकार दोनों का जीवन सुखपूर्वक बीतने लगा। समय बीतने पर शांतनु के यहां सात पुत्रों ने जन्म लिया, लेकिन सभी पुत्रों को उस स्त्री ने गंगा नदी में डाल दिया। शांतनु यह देखकर भी कुछ नहीं कर पाएं क्योंकि उन्हें डर था कि यदि मैंने इससे इसका कारण पूछा तो यह मुझे छोड़कर चली जाएगी। आठवां पुत्र होने पर जब वह स्त्री उसे भी गंगा में डालने लगी तो शांतनु ने उसे रोका और पूछा कि वह यह क्यों कर रही है?

उस स्त्री ने बताया कि मैं देवनदी गंगा हूं तथा जिन पुत्रों को मैंने नदी में डाला था वे सभी वसु थे जिन्हें वसिष्ठ ऋषि ने श्राप दिया था। उन्हें मुक्त करने लिए ही मैंने उन्हें नदी में प्रवाहित किया। आपने शर्त न मानते हुए मुझे रोका। इसलिए मैं अब जा रही हूं। ऐसा कहकर गंगा शांतनु के आठवें पुत्र को लेकर अपने साथ चली गई।

देवव्रत था भीष्म का असली नाम

गंगा जब शांतनु के आठवे पुत्र को साथ लेकर चली गई तो राजा शांतनु बहुत उदास रहने लगे। इस तरह थोड़ा और समय बीता। शांतनु एक दिन गंगा नदी के तट पर घूम रहे थे। वहां उन्होंने देखा कि गंगा में बहुत थोड़ा जल रह गया है और वह भी प्रवाहित नहीं हो रहा है। इस रहस्य का पता लगाने जब शांतनु आगे गए तो उन्होंने देखा कि एक सुंदर व दिव्य युवक अस्त्रों का अभ्यास कर रहा है और उसने अपने बाणों के प्रभाव से गंगा की धारा रोक दी है।

यह दृश्य देखकर शांतनु को बड़ा आश्चर्य हुआ। तभी वहां शांतनु की पत्नी गंगा प्रकट हुई और उन्होंने बताया कि यह युवक आपका आठवां पुत्र है। इसका नाम देवव्रत है। इसने वसिष्ठ ऋषि से वेदों का अध्ययन किया है तथा परशुरामजी से इसने समस्त प्रकार के अस्त्र–शस्त्रों को चलाने की कला सीखी है। यह श्रेष्ठ धनुर्धर है तथा इंद्र के समान इसका तेज है।

देवव्रत का परिचय देकर गंगा उसे शांतनु को सौंपकर चली गई। शांतनु देवव्रत को लेकर अपनी राजधानी में लेकर आए तथा शीघ्र ही उसे युवराज बना दिया। गंगापुत्र देवव्रत ने अपनी व्यवहारकुशलता के कारण शीघ्र प्रजा को अपना हितैषी बना लिया।

इसलिए देवव्रत का नाम पड़ा भीष्म

एक दिन राजा शांतनु यमुना नदी के तट पर घूम कर रहे थे। तभी उन्हें वहां एक सुंदर युवती दिखाई दी। परिचय पूछने पर उसने स्वयं को निषाद कन्या सत्यवती बताया। उसके रूप को देखकर शांतनु उस पर मोहित हो गए तथा उसके पिता के पास जाकर विवाह का प्रस्ताव रखा। तब उस युवती के पिता ने शर्त रखी कि यदि मेरी कन्या से उत्पन्न संतान ही आपके राज्य की उत्तराधिकारी हो तो मैं इसका विवाह आपके साथ करने को तैयार हूं।

यह सुनकर शांतनु ने निषादराज को इंकार कर दिया क्योंकि वे पहले ही देवव्रत को युवराज बना चुके थे। इस घटना के बाद राजा शांतनु चुप से रहने लगे। देवव्रत ने इसका कारण जानना चाहा तो शांतनु ने कुछ नहीं बताया। तब देवव्रत ने शांतनु के मंत्री से पूरी बात जान ली तथा स्वयं निषादराज के पास जाकर पिता शांतनु के लिए उस युवती की मांग की। निषादराज ने देवव्रत के सामने भी वही शर्त रखी। तब देवव्रत ने प्रतिज्ञा लेकर कहा कि आपकी पुत्री के गर्भ से उत्पन्न महाराज शांतनु की संतान ही राज्य की उत्तराधिकारी होगी।

तब निषादराज ने कहा यदि तुम्हारी संतान ने मेरी पुत्री की संतान को मारकर राज्य प्राप्त कर लिया तो क्या होगा? तब देवव्रत ने सबके सामने अखण्ड ब्रह्मचर्य की प्रतिज्ञा ली तथा सत्यवती को ले जाकर अपने पिता को सौंप दिया। तब पिता शांतनु ने देवव्रत को इच्छामृत्यु का वरदान दिया। देवव्रत की इस भीषण प्रतिज्ञा के कारण ही उनका नाम भीष्म पड़ा।

भीष्म ने किया था काशी की राजकुमारियों का हरण

भरतवंशी राजा शांतनु को पत्नी सत्यवती से दो पुत्र हुए– चित्रांगद और विचित्रवीर्य। दोनों ही बड़े होनहार व पराक्रमी थे। अभी चित्रांगद ने युवावस्था में प्रवेश भी नहीं किया था कि राजा शांतनु स्वर्गवासी हो गए। तब भीष्म ने माता सत्यवती की सम्मति से चित्रांगद को राजगद्दी पर बैठाया। लेकिन कुछ समय तक राज करने के बाद ही उसी के नाम के गंधर्वराज चित्रांगद ने उसका वध कर दिया।

तब भीष्म में विचित्रवीर्य को राजा बनाया। जब भीष्म ने देखा कि विचित्रवीर्य युवा हो चुका है तो उन्होंने उसका विवाह करने का विचार किया। उन्हीं दिनों काशी के राजा की तीन कन्याओं का स्वयंवर भी हो रहा था। लेकिन काशी नरेश ने द्वेषतापूर्वक हस्तिनापुर को न्योता नहीं दिया। क्रोधित होकर भीष्म अकेले ही स्वयंवर में गए और वहां उपस्थित सभी राजाओं व काशी नरेश को हराकर उनकी तीनों कन्याओं अंबा, अंबिका व अंबालिका को हर लाए।

तब काशी नरेश की बड़ी पुत्री अंबा ने भीष्म से कहा कि वह मन ही मन में राजा शाल्व को अपना पति मान चुकी है। यह बात जानकर भीष्म ने अंबा को उसके इच्छानुसार जाने की अनुमति दे दी तथा शेष दो कन्याओं का विवाह विचित्रवीर्य से कर दिया।

भीष्म ने क्यों किया अपने गुरु से युद्ध

महाभारत के अनुसार भीष्म काशी में हो रहे स्वयंवर से काशीराज की पुत्रियों अंबा, अंबिका और अंबालिका को अपने छोटे भाई विचित्रवीर्य के लिए उठा लाए थे। तब अंबा ने भीष्म को बताया कि मन ही मन किसी और का अपना पति मान चुकी है तब भीष्म ने उसे ससम्मान छोड़ दिया, लेकिन हरण कर लिए जाने पर उसने अंबा को अस्वीकार कर दिया। तब अंबा भीष्म के गुरु परशुराम के पास पहुंची और उन्हें अपनी व्यथा सुनाई।

अंबा की बात सुनकर भगवान परशुराम ने भीष्म को उससे विवाह करने के लिए कहा, लेकिन ब्रह्मचारी होने के कारण भीष्म ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। तब परशुराम और भीष्म में भीषण युद्ध हुआ और अंत में अपने पितरों की बात मानकर भगवान परशुराम ने अपने अस्त्र रख दिए। इस प्रकार इस युद्ध में न किसी की हार हुई न किसी की जीत। अगले जन्म में अंबा ने शिखंडी के रूप में जन्म लिया और भीष्म की मृत्यु का कारण बनी।

भीष्म ने दिया था युधिष्ठिर को विजय होने का आशीर्वाद

जिस समय कौरवों और पांडवों में युद्ध शुरु होने वाला था। उसी समय धर्मराज युधिष्ठिर अपने रथ से उतर कर कौरव सेना की ओर चल दिए। कौरव सेना में जाकर युधिष्ठिर ने सबसे पहले भीष्म पितामह से आशीर्वाद लिया और युद्ध करने के लिए उनसे आज्ञा मांगी। तब भीष्म ने कहा कि– यदि तुम इस समय मेरे पास न आए होते तो मैं तुम्हारी पराजय के लिए तुम्हें श्राप दे देता। लेकिन अब मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं।

तुम युद्ध करो, तुम्हारी ही विजय होगी। तब युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से कहा कि– आपको तो युद्ध में कोई भी जीत नहीं सकता तो हम युद्ध कैसे जीत पाएंगे। भीष्म ने कहा– संग्राम भूमि में युद्ध करते समय मुझे जीत सके, ऐसी तो मुझे कोई दिखाई नहीं देता। मेरी मृत्यु का भी कोई निश्चित समय नहीं है। इसलिए तुम किसी दूसरे समय आकर मुझसे मिलना।

भीष्म ने दिलाया था श्रीकृष्ण को क्रोध

जब पांडवों व कौरवों का युद्ध प्रारंभ हुआ, उस समय कौरवों के सेनापति भीष्म पितामह ही थे। युद्ध के तीसरे दिन भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना पर भयंकर बाण वर्षा कर भयभीत कर दिया। यह देखकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वह भीष्म पितामह से युद्ध करे। अर्जुन और भीष्म पितामह में भयंकर युद्ध हुआ, लेकिन थोड़ी देर बाद अर्जुन युद्ध में ढीले पड़ गए और पांडवों की सेना में भगदड़ मच गई। यह देखकर श्रीकृष्ण को बहुत क्रोध आया और वे रथ से उतर गए।

श्रीकृष्ण अपने हाथ में सुदर्शन चक्र लेकर बड़ी तेजी से भीष्म की ओर झपटे। श्रीकृष्ण के इस रूप को देखकर भीष्म बिल्कुल भी भयभीत नहीं हुए। भगवान श्रीकृष्ण को ऐसा करते देख अर्जुन रोकने के लिए उनके पीछे दौड़े। अर्जुन ने श्रीकृष्ण को आश्वस्त किया कि अब मैं युद्ध में ढिलाई नहीं करुंगा आप युद्ध मत कीजिए। अर्जुन की बात सुनकर श्रीकृष्ण शांत हो गए और पुनः अर्जुन का रथ हांकने लगे।

(शेष 14 पेज पर)

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में बेहतर व्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुआ मतदान

अन्य जिलों की बाकी 04 विधानसभा क्षेत्रों में भी मतदान संपन्न

जनसंपर्क नर्मदापुरम । लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाले नर्मदापुरम जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों समेत अन्य जिलों की बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों में भी शुक्रवार 26 अप्रैल को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना के निर्देशन में सभी 1187 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधाओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई।

कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने सुबह से ही संसदीय क्षेत्र होशंगाबाद अंतर्गत आने वाले नर्मदापुरम जिले के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण कर मतदान केंद्रों का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न करने के लिए निर्देशित किया। मतदान करने के लिए युवाओं, सहित बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों में भारी उत्साह देखा गया। सभी विधानसभा क्षेत्र में आदर्श मतदान केंद्र, पिंक बूथ, युवा केंद्र केंद्र और दिव्यांग मतदान के लिए केंद्र भी बनाए गए। गर्मी को ध्यान में रखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर छाया, पेयजल, स्वास्थ्य आदि अन्य व्यवस्थाओं के अलावा दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए भी रैम्प, व्हीलचेयर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसी के साथ जिन परिवारों में शादी हैं, जो बुजुर्ग है, दिव्यांग हैं उन्हें भी प्राथमिकता के आधार पर मतदान करने के लिए सुविधाएं प्रदान की गई। विभिन्न मतदान केंद्रों पर शादी के लिए तैयार दूल्हा, दुल्हन के साथ उनके परिवारजनों ने भी मतदान कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। नर्मदापुरम जिले के मतदाता जो कि नोकरी, व्यवसाय आदि कारणों से जिले या प्रदेश के बाहर निवासरत है वे भी आज मतदान दिवस के दिन अपना मताधिकार का प्रयोग करने अपनें अपनें निर्धारित मतदान केन्द्रों पर मतदान करने पहुंचे।

संभागायुक्त एवं कलेक्टर तथा एसपी ने किया मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण

संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा ने जिले के दूरस्थ मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह द्वारा सुबह से लेकर मतदान समाप्ति तक मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। उन्होंने होशंगाबाद विधानसभा के शहरी एवं ग्रामीण मतदान केंद्रों के निरीक्षण के पश्चात सोहागपुर विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने भी किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

निर्वाचन के सुचारू संचालन के लिए जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया, अपर कलेक्टर देवेन्द्र कुमार सिंह ने भी संपूर्ण मतदान प्रक्रिया का कंट्रोल रूम से सतत निरीक्षण किया। निर्वाचन प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण कराने में इटारसी एसडीएम टी. प्रतीक राव, होशंगाबाद में सहायक रिटर्निंग अधिकारी नीता कोरी, पिपरिया में सहायक रिटर्निंग अधिकारी संतोष कुमार तिवारी, सोहागपुर में सहायक रिटर्निंग अधिकारी बृजेंद्र रावत, सिवनीमालवा में सहायक रिटर्निंग अधिकारी सरोज परिहार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

नवमतदाताओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगों ने उत्साह के साथ किया मतदान

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत बनाए रखने में घर के युवा, वृद्धजन व दिव्यांगजन भी किसी से पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्हीलचेयर की सुविधा का लाभ लेते हुए उत्साह से अपने मताधिकार का उपयोग किया। सभी मतदान केंद्रों पर वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। पिपरिया के कुछ मतदान केन्द्रों पर आमपना और होशंगाबाद के कुछ मतदान केन्द्रों पर वृद्धजनों के लिए छाछ की व्यवस्था भी की गई थी।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया मतदान

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत 26 अप्रैल 2024 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह ने शासकीय कन्या शाला कोठी बाजार पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में मतदान करने में शासकीय अमला भी आगे रहा सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों, आयुक्त कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक अपने परिवार सहित मतदान किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने मतदान किया। डिप्टी कलेक्टर बबीता राठौर, लोक सेवा प्रबंधक आनंद झैरवार, एवं उनकी टीम नें उत्साहपूर्वक मतदान किया।

लगभग 7000 कर्मचारियों ने 1187 केंद्रों पर शांतिपूर्वक कराया मतदान

लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाले नर्मदापुरम जिले चारो विधानसभा में मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1187 मतदान केन्द्र बनाए गए। जिनमें लगभग 7000 कर्मचारियों ने शांतिपूर्वक और सुचारू रूप से मतदान करवाया। 229 माइक्रोआब्जर्वर ने भी क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर पैनी नजर रखी। इन मतदान केंद्रों में से 218 पिंक पोलिंग बूथ थे। सिवनीमालवा विधानसभा अंतर्गत 318, होशंगाबाद विधानसभा में 238, सोहागपुर विधानसभा में 314 एवं पिपरिया विधानसभा में 317 मतदान केंद्र शामिल हैं। जिले में 108 आदर्श केंद्र बनाए गए थे। सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ।

सुरक्षा जवानों ने मतदान प्रक्रिया को सफल बनाने में निभाई सक्रिय भूमिका

लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में आने वाले नर्मदापुरम जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर लगभग 4 हजार सुरक्षाबलों ने मतदान प्रक्रिया को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

सेक्टर अधिकारी रहे मुस्तैद

जिले में कुल 123 सेक्टर अधिकारी बनाए गए थे पिपरिया विधानसभा में 35, सिवनीमालवा में 33, होशंगाबाद में 22 एवं सोहागपुर विधानसभा में 33 सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किए गए थे। जो हर मोर्चे पर मुस्तैद रहे। जिनके द्वारा अपने मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर मतदान संपन्न कराया।

607 मतदान केंद्रों की की गई वेबकास्टिंग

जिले में कुल 1187 मतदान केंद्रों में से लगभग 607 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग (लाइव स्ट्रीमिंग)की गई। जिसकी कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम से मतदान केंद्रों पर निगरानी की गई। मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए जिला स्तर व विधानसभा स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम तैनात रही। इस टीम में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों के पहुंचने की जानकारी, मॉकपोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केन्द्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित किया और सूचनाओं का त्वरित रूप से आदान–प्रदान किया।

स्वस्थ आहार, स्वाद मेजदार...

रघुजी नमकीन

एक विश्वास

रतलामी, उज्जैनी, खट्टा मीठा, फलारी चिप्स इत्यादि नमकीन सभी होटल व किराना दुकानों पर उपलब्ध कृष्णा इन्दौर सेव भंडार

शोभापुर रोड, पिपरिया Ph.224241,

-**प्रो. संतोष साहू** Mob- 8839911938 **संदीप साहू** Mob- 9425310471

–राजपाल यादव द्वारा

बनखेड़ी समाचार

गर्व और विनम्रता का रहस्य

–संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

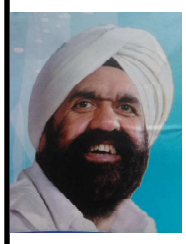

जब हम स्वयं को दूसरों स` बेहतर समझते हैं, तब हमारे अंदर से ज्ञान का अभिमान झलकता है। इस तरह के अहंकार की चपेट में हम खुद को हमेशा सही समझते हैं और अक्सर दूसरों को यह भी बताते हैं कि दूसरा व्यक्ति गलत, अयोग्य या मूर्ख है। हमें लगता है कि हमारा रास्ता सबसे अच्छा है। ऐसी सोच के कारण छोटे–मोटे विवादों से लेकर युद्ध तक हो सकते हैं। इतिहास में हमें अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं कि कितने लोगों की जान चली गई क्योंकि एक शासक ने सोचा कि उसका तरीका सही था और वह कुछ अलग करना चाहता था। कितने
युद्ध लड़े गए क्योंकि एक राष्ट्र के नेता ने अपनी विचारधारा को अन्य देशों की तुलना में बेहतर महसूस किया।

बहुत सारे घरों और दफ्तरों में गूंजने वाले झगड़ों का ज़्यादातर कारण ज्ञान का अभिमान होता है। बॉस और कर्मचारी तर्क करते हैं, सहकर्मी बहस करते हैं, माता–पिता और बच्चों में मतभेद होता है, पति और पत्नी में वाद–विवाद होता है और इन अधिकांश तर्कों का मूल अहंकार की लड़ाई होती है कि कौन सही है या किसका तरीका बेहतर है? इसी माध्यम से मन संसार के व्यर्थ के झगड़ों में हमें उलझाए रखता है। इस प्रकार हमारी आत्मा स्वयं को जानने से दूर रहती है। यदि हम यह विचार करें कि हरेक तर्क में कितना समय खर्च होता है तो हम जान पाएंगे कि इसमें हमारे जीवन का कितना समय बर्बाद होता है। एक तर्क में घंटों या कई दिन लग सकते हैं और कभी–कभी यह महीनों और वर्षों तक यह दोहराया जाता है।

इस प्रकार इस जीवन में हमें परमात्मा को खोजने के लिए दिया गया कीमती समय हमारे हाथों से निकल जाता है। कितना अच्छा होगा यदि हम उस समय का उपयोग स्वयं को जानने और परमात्मा को पाने में व्यतीत करें। कितना अच्छा होगा यदि हम उस समय को ध्यान– अभ्यास में बिताएं, जहाँ हम परमात्मा के प्रेम और आंतरिक आनंद को पा सकें। इसके अलावा यदि हम उस समय को दूसरों की मदद करने में बिताएं तो यह और अधिक उपयोगी साबित होगा।

ज्ञान का अभिमान अनगिनत आत्माओं को परमात्मा का साक्षात्कार करने से रोकता है। हमारे माता–पिता ने हमारी परवरिश ऐसी की है कि हम किसी एक धर्म में विश्वास करते हैं। हम कभी यह नहीं सोचते कि यदि हम किसी दूसरे धर्म में पैदा होते तो हम कितनी आसानी से उस धर्म की शिक्षाओं में दृढ. विश्वास करते।

इस प्रकार हरेक धर्म के लोग उनके पूजा–स्थलों में जो कुछ सिखाया जाता है, उसमें कट्टर हो जाते हैं। कुछ लोग इस बात से सहमत नहीं होते कि हरेक धर्म का एक परमात्मा होता लेकिन संत–महापुरुष हमें समझाते हैं कि परमात्मा एक ही है। कुछ लोग धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन करने में प्रयास और समय लगाते हैं। ऐसा करके उन्हें पता चलता है कि सभी धर्मों में मूल सत्य एक समान है लेकिन इसके विपरीत हरेक का यही मानना है कि उनका धर्म ही एकमात्र सही मार्ग है।

हर युग में संत–महापुरुष मानवता को यह समझाने के लिए आते हैं कि परमात्मा एक ही है और हम सभी उसकी संतान हैं। वे पूरी मानवता को प्रेम और भाईचारे में एकजुट करने के लिए आते हैं। वे बताते हैं कि प्रत्येक धर्म मूल रूप से एक समान हैं और सभी परमात्मा के पास वापिस जाने के मार्ग की शिक्षा दे रहे हैं। प्रत्येक धर्म में रीति–रिवाज. भिन्न हो सकते हैं, भाषा अलग हो सकती है लेकिन उनके विचार और मूल सत्य एक समान ही व्यक्त किये जाते है। जब हम अपने ज्ञान के अहंकार में फंस जाते हैं तो हम किसी की भी नहीं सुनते। इस प्रकार हम प्रत्येक धर्म के मूल सत्य का पता लगाने के बजाय उन्हें अनसुना कर देते हैं।

प्रत्येक धर्म के संस्थापकों ने परमात्मा प्राप्ति का मार्ग बताया है। समय के साथ धर्म का आंतरिक पक्ष खो गया है और बाहरी रीति–रिवाज. और संस्कार रह गए हैं लेकिन इनका पालन करके हम परमात्मा को नहीं पा सकते। हमें इस बात पर गर्व है कि हम अपने धर्मशास्त्रों को जानते हैं, हम नियमित रूप से पूजा–स्थलों पर जाते हैं और हम बाहरी रीति–रिवाज़ों का पालन करते हैं। हम सोचते हैं कि हम जो कर रहे हैं, वह काफी है लेकिन जब हम खुले दिल और दिमाग से अपने धर्म की मूल बातें जानने की कोशिश करते हैं कि संस्थापकों ने वास्तव में क्या सिखाया, तब हम यह महसूस करेंगे कि प्रत्येक धर्म में परमात्मा को खोजने का एक ही व्यावहारिक तरीका है।

यहाँ तक कि जब हम किसी संत–महापुरुष के पास जाते हैं, जो हमें परमात्मा को खोजने का मार्ग दिखाते हैं, तब भी ज्ञान का अभिमान हमारी प्रगति के रास्ते में आ सकता है। कई बार हमारा अभिमान हमें निर्देशों का सही ढंग से पालन करने से रोकता है। हम अपनी बुद्धि की कसौटी से सब कुछ आँकते हैं। हम सिखाई गई विधि का सटीक अभ्यास करने के बजाय हमें जो पसंद और नापसंद है, उसके अनुसार हम सब कुछ करते है।। हम शिक्षाओ का केवल वही हिस्सा मानते हैं, जो पहले से ही हमारी विचारधाओं के अनुकूल हो। हम शिक्षाओं का अधूरा अभ्यास करते हैं और फिर केवल अधूरे परिणाम ही प्राप्त करते हैं।

यदि हम वास्तव में परमात्मा को पाना चाहते हैं तो हमें कॉलेज के छात्रों की तरह खुले मन से एक शिक्षक के पास जाना होगा। एक कॉलेज का छात्र, यदि रसायन विज्ञान की कक्षा में शिक्षक से सीखने के बजाय यह सोचे कि वह पहले से ही सब कुछ जानता है, शिक्षक के साथ बहस करे और सुनने से इनकार कर दे तो वह कितना आगे बढ़ सकता है? किसी विधि को आजमाने के लिए पहले हमें उसमें विश्वास रखने की आवश्यकता है। फिर इसे सही तरीके से करने के बाद छात्र बेहतर तरीके से विधि के बारे में निर्णय ले सकता है लेकिन जब हम स्वयं कुछ नहीं जानते और ज्ञान के अभिमान मे ं गुरु के पास जाते हैं तो हमें कुछ हासिल नहीं होगा। हम उल्टे प्याले की तरह रह जाएंगे, जिसमें पानी कैसे डाला जा सकता है?

हमने देखा है कि किस प्रकार ज्ञान का अभिमान छोटे तर्कों से लेकर युद्ध तक की स्थिति पैदा कर सकता है। यह अभिमान हमें दुनिया में इतना कैसे व्यस्त रख सकता है कि हमें अपने आध्यात्मिक पक्ष को विकसित करने के लिए समय ही नहीं मिलता और यह हमें परमात्मा प्राप्ति से भी रोकता है। यदि हम सच्चे मन से अपने सृष्टिकर्त्ता के पास वापिस लौटने में रुचि रखते हैं तो हमें रास्ते में आने वाली इस बाधा से सतर्क होने की आवश्यकता है।

सत्ता का भी अभिमान होता है जो हमारी आंतरिक यात्रा से हमें रोकता है।

सत्ता के अभिमान का मतलब है कि हम दूसरों पर हुकूमत करने की कोशिश करते हैं। अपने आस–पास के लोगों के जीवन और भाग्य को हम निर्धारित करना चाहते हैं। घर में हम अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को चलाने की कोशिश करते हैं।

हम उनकी व्यक्तिगत ज़रूरतों या चाहतों के लिए कोई समय नहीं देते हैं। हम शासक बनके उन्हें तकलीफ पहुँचाते रहते हैं। इसके अलावा हमारे कार्यालयों में भी हम जो चाहते हैं, उसे प्राप्त करने के लिए अपनी सत्ता का दुरुपयोग करते है औरहम अपने सहकर्मियों के बारे में नहीं सोचते। जबकि हम अपने से वरिष्ठ अफसरों से बहुत विनम्र तरीके से व्यवहार करते हैं। हम अपने सहकर्मियों और अपने से नीचे काम करने वालों पर तानाशाही करते हैं। हम कितने शक्तिशाली हैं, यह दिखाने के लिए हम मनमाने निर्णय लेते हैं। कभी–कभी हम अपने से नीचे के लोगों की जरूरतों के प्रति लापरवाह होते हैं और हम अपने विचारों को दूसरों पर थोपने का प्रयास करते हैं।

हमने देखा है कि कैसे सत्ता के घमंड का विश्व पर भी विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। कई तानाशाहों ने अपने शासन के अधीन लोगों को क्रूरता और बेरहमी से सताया और उन्हें मार डाला। यदि हम परमात्मा की ओर वापिस लौटना चाहते है तो हमें सत्ता के अभिमान को दूर कर अपने काम प्रेम, कुशलतापूर्वक और अच्छी तरह से बिना किसी को तकलीफ पहुँचाए करने होंगे। हमें उन लोगों के प्रति दयालु और प्रेम पूर्ण व्यवहार करना चाहिए, जिनके साथ हम काम करते हैं। हम स्वयं को सर्वशक्तिमान समझते हैं लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि वास्तव में केवल परमात्मा ही सर्वशक्तिमान हैं। यदि हम उनसे अपने लिए करुणा और दया पाना चाहते हैं तो हमें भी दूसरों के प्रति दयालु होना चाहिए।

अंत में हमें धन–दौलत का भी गर्व होता है। हम संपत्ति को कभी भी परमात्मा का उपहार नहीं मानते। जब हम इसे खो देते हैं, तब हम परमात्मा को दोष देते हैं लेकिन जब हम इसे हासिल करते हैं तो क्या हम कभी परमात्मा का शुक्रिया अदा करते हैं? जब हमारे पास परमात्मा का दिया हुआ सब कुछ होता है तो क्या हम कभी उसे उन लोगों के साथ बांटते हैं जो हमसे कम भाग्यशाली हैं?

आध्यात्मिक मार्ग पर चलने वाला को धन के अभिमान के अवगुण से सावधान रहना चाहिए। अगर हमारे पास बहुत सी संपत्ति है तो हमें उसके लिए परमात्मा का आभारी होकर जरूरतमंदों की तरफ ध्यान देना चाहिए। हमें अपने धन का कुछ हिस्सा मानवता की सेवा क` लिए उपयोग कर पूरी मानवता को एक समान भाई–चारे की नजर से देखना चाहिए। इसके अलावा हमें हमारे पास आने वालों की भी मदद करते हुए अमीर–गरीब सबके साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए।

संत–महात्मा सभी लोगों से प्रेम करते हैं। चाहे उनका सामाजिक स्तर और जीवन की स्थिति कैसी भी हो, वे प्रत्येक व्यक्ति में परमात्मा की ज्योति को देखते हैं। वे उनसे मिलने वाले सभी लोगों के लिए प्यार और नम्रता की सर्वोच्च मिसाल कायम करते हैं। यदि परमात्मा में विलीन हो चुके महान संत–महापुरुष इतने विनम्र होते हैं तो हम अहंकार कैसे कर सकते हैं? हमारे पास जो कुछ भी है वह हमें परमात्मा ने दिया है, इसीलिए हमें अपने अभिमान को दूर कर सभी को परमात्मा के एक ही परिवार के रूप में व्यवहार करना चाहिए।

हम परमात्मा को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रकार के अभिमानों को समाप्त कर सकते हैं। यदि हम चाहते हैं कि परमात्मा हमारे हृदय में प्रवेश करें तो हमें अपनी अहंकार को समाप्त करके, उस जगह पर प्रभु को स्थान देना होगा। हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज ने बड़ी ही खूबसूरती से समझाया है कि ध्यान–अभ्यास करते समय यदि हम दरवाज़े के सामने खड़े होकर रास्ता रोक दें तो परमात्मा उसमें प्रवेश नहीं कर सकते। परंतु यदि हम स्वयं हटकर परमात्मा के प्रवेश की प्रतीक्षा करें तो वे भीतर आ जाएंगे। वे हमें अपने प्रेम, प्रकाश और संगीत से भर देंगे। जितना अधिक हम स्वयं को अहंकार से दूर करते हैं, उतना ही अधिक हम परमात्मा की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। आखिरकार हमारा अस्तित्व परमात्मा में विलीन हो जाएगा, यही नम्रता का रहस्य है।

अतिक्रमणकारियों पर सरकार की नजर नहीं

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, बनखेड़ी । बनखेड़ी तहसील के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बाचावानी में लम्बे समय से शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है लेकिन शिकायत पर कोई भी प्रकार कि कार्यवाही नहीं हुई जिसमें अतिक्रमणकारियों की धोसरंगदारी चरम सीमा पार कर चुकी हैं ग्राम पंचायत में अनेकों बार ग्राम सभा में भी इस विषय पर प्रस्ताव पर भी निर्णय लिया जा चुका है लेकिन पटवारी का तो काम करने का तरीका समझ से बाहर है ग्राम में एक तालाब है पर उसकी पार के ऊपर लोगों ने मकान बनाकर उस जगह को उपयोग कर रहे हैं कालोनी में जोरों पर अतिक्रमण हैं अतिक्रमण के संबंध में समाचार भी अनेकों बार प्रकाशित कर अधिकारीयों को भी अवगत कराया गया है पर अतिक्रमण हटाया नहीं गया और तो ज्ञात हुआ कि शासकीय भूमि पर कुछ लोगों ने फ़सल भी बो कर खेती कर रहे हैं अच्छा खासा मुनाफा कमाया जा रहा है पटवारी की लापरवाही से यहां सब काम हो रहा है ।

करेली समाचार–

अमेरिका से आकर चेतन ने मतदान किया

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, करेली ।करेली अमेरिका से आकर चेतन यादव जोहरिया (करेली) मतदान केंद्र आकर मताधिकार का प्रयोग किया। 26 अप्रेल को मतदान के साथ ही शादियों की भरमार रही जिसके चलते कई दूल्हों ने बारात निकलने के पहले तो कई दुल्हनों ने बिदाई के पूर्व मतदान के महाकुंभ में अपने मत की आहुति देकर नई जीवन साथी के साथ जीवन की नई पारी की शुरुआत की।

हुजेफा खानम् की शानदार सफलता..

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, करेली ।करेली.. नगर की होनहार बिटिया संस्कारधानी जबलपुर के स्प्रिंग डे हाई स्कूल में अध्ययनरत कु हुजेफा खानम ने कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कु. हुजेफा नगर के मरहूम शायर गुलाम मुहम्मद की पोती, खलील मोहम्मद करेलबी व रफीक मुहम्मद – साजदा खानम् की बिटिया है। बिटिया की सफलता पर शुभचिंतकों ने बधाइयाँ दी है।

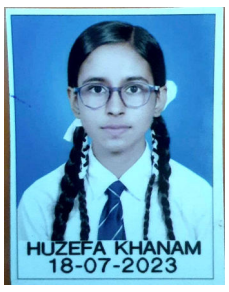

करेली की महती जरूरत है सिविल कोर्ट

तहसील करेली के अंतिम छोर के व्यक्ति को मिलेगा लाभ

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, करेली । 18 वीं लोकसभा के लिए होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के 20वें सांसद के लिये दूसरे चरण में 26 अप्रेल को वोट डाले जावेगे। करेली में सिविल कोर्ट खोलने की मांग वर्षो पुरानी है। नागरिकों को न्याय आसानी से उपलब्ध कराने करवाने के लिए शासन द्वारा हर तहसील मुख्यालय पर सिविल कोर्ट खोलने का निर्णय लिया गया था। 17 मार्च वर्ष 2012 में तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह ने करेली के एक कार्यक्रम में सिविल कोर्ट की घोषणा की थी तब से यह मामला क्रियान्वयन की बाट जोह रहा है। इस बीच सोशल मीड़िया में नरसिंहपुर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष का एक पत्र वायरल होने से करेली तहसील में सिविल कोर्ट का मुददा एक बार फिर गहरा गया उसका कारण यह है कि बीते दिनो जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर के अध्यक्ष/सचिव ने एक पत्र मुख्यमंत्री मप्र शासन एवं विधायक व मंत्री प्रहलाद पटेल को दिया था जिसमे नरसिंहपुर में व्यवसायरत अधिवक्ताओ के निजी हितों को ध्यान में रखकर तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पत्र के माध्यम से भ्रमित करने का प्रयासकर करेली में सिविल कोर्ट खोले जाने का विरोध किया गया है. इस पत्र में सबसे हास्यास्पद कुतर्क यह है कि इसमें करेली तहसील के अंतिम छोर पर स्थित दूरस्थ ग्राम की नरसिंहपुर जिला न्यायालय से दूरी बताने की जगह की बजाय नरसिंहपुर से करेली की दूरी का उल्लेख इसमें किया गया है। अनेक वर्षो से तत्कालीन राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, तत्कालीन विधायक जालम सिंह, प्रेस परिषद करेली, तहसील अधिवक्ता संघ करेली, अन्य जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनो एवं आम जनता द्वारा से करेली में सिविल कोर्ट की मांग की जा रही है।

विदित हो कि सितम्बर 2023 में करेली में सिविल कोर्ट में कवायद 11 साल बाद एक बार फिर शुरू हुई थी जिसमें जिला न्यायालय की टीम ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर श्री महेश कुमार शर्मा के साथ करेली के पुराने तहसील कार्यालय एवं पुरानी मंड़ी का स्थल निरीक्षण किया था विदित हो कि मुख्यमंत्री की 2011 की घोषणा के बाद 2012 में प्रक्रिया तो शुरू हुई थी पर क्रियान्वयन तक नहीं पहुंची थी। 12 सितम्बंर 2023 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निरीक्षण से एक बार फिर उम्मीद की किरण जाग गई है कि करेली कि यह बहुप्रतीक्षित मांग जरूर से ही पूरी होगी। अनेक बार सार्वजनिक मंचों से राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने बड़ी बेबाकी से करेली में सिविल कोर्ट को खोले जाने की बात रखी थी। इसके पहले भी 23 अगस्त 2012 गरूवार को सी0जे0एम0 सिविल न्यायालय नरसिंहपुर द्वारा करेली में व्यवहार न्यायालय खोलने के संबंध में पुरानी मंडी कार्यालय तथा प्रांगण स्थल का निरीक्षण किया गया था। तत्संबंध में तहसीलदार करेली के माध्यम से पुरानी मंड़ी कार्यालय प्रांगण में निर्मित स्थायी, अस्थायी, संरचनाओं का नजरी नक्शा शुक्रवार को राजस्व निरीक्षको, पटवारी, से तैयार सी0जे0एम0 सिविल न्यायालय नरसिंहपुर भेजा गया था। 24 अगस्त 2012 शुक्रवार को राजस्व अमले ने नाप–जौख का काम किया था। करेली में सिविल कोर्ट खोलने की मांग वर्षो पुरानी है। नागरिकों को न्याय आसानी से उपलब्ध कराने करवाने के लिए शासन द्वारा हर तहसील मुख्यालय पर सिविल कोर्ट खोलने का निर्णय लिया गया था तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा की थी और लगभग एक दशक पहले सिविल कोर्ट खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। सिविल कोर्ट करेली में खोलने से करेली तहसील के दूरस्थ अंचलो के पक्षकारों को फायदा होगा जो अभी तहसील कार्यालय करेली और सिविल कोर्ट नरसिंहपुर के बीच झूलते रहते है। इसके अलावा करेली से बहुत सारे अधिवक्तागण नरसिंहपुर अपडाउन करते है उनके पक्षकार भी करेली क्षेत्र के होते है उन्हें भी लाभ होगा। समय समय पर जनप्रतिनिधि, विविध संगठन, तहसील अधिवक्ता संघ भी करेली में सिविल कोर्ट की मांग उठाता रहा है..शासन को जल्द यह सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

–जितेन्द्र गुप्ता

विवेक सेनेटरी एण्ड हार्डवेयर
हिन्दुस्तान पेट्रोल पम्प के बाजू में पचमढ़ी रोड, पिपरिया
9479381880, 9131649108
मिलने का स्थान –
यू.पी. व्ही.सी., सी.पी. व्ही.सी., एस. डब्लू. आर, आई.डोल,
प्लास्टो पाइप एंड फिटिंग उचित मूल्य पर प्राप्त करें ।

ए.एस. खुराना
बी.एस.सी./डी.ओ.आर.
मो. 7747022369
8871443275
मनु आई केयर एण्ड ऑप्टीकल्स
हमारे यहां नजर व धूप के चश्में नेत्र परिक्षण करके बनाये जाते हैं ।
एच.डी.एफ. सी. बैंक के सामने, पिपरिया (म.प्र.)

अद्वितीय विशाल सोने एवं चांदी के आभूषणों के शोरुम पर हम आपका हार्दिक अभिनंदन करते है।
विजय ज्वेलर्स
मेन रोड, पिपरिया
जिला–नर्मदापुरम (म.प्र.) फोन–मो. 9425475530

रंगीन फोटो कापी मल्टीकलर प्रिंटिंग
अब चाहे एक कापी हो या हजार या ज्यादा
कम कीमत में तुरन्त तैयार
रंगीन बर्थ डे कार्ड, शादी कार्ड, मानपत्र, स्टीकर, लेटर पैड
कैलाश प्रिंटिग प्रेस
सांडिया रोड, पिपरिया मो. 9425475451

अल्ट्राटेक सीमेंट अल्ट्राटेक सीमेंट अल्ट्राटेक सीमेंट
राज ट्रेडर्स
कैलाश प्रेस के बाजू में सांडिया रोड, पिपरिया
मो. 9806969697,
$ 9893692487,
9644200339
होम डिलेवरी वाहन सुविधा कम दर पर उपलब्ध
लोहा उत्तम क्वालिटी टेस्टेड
डॉ. फिक्सइट आपके घर का डाक्टर सम्पूर्ण वाटर प्रूफिंग के लिए
ग्राहक का संतोष ही हमारी सफलता है ।

(10 पेज का शेष)

भीष्म ने स्वयं बताया था अपनी मृत्यु का रहस्य

महाभारत के युद्ध में भीष्म पितामह ने पांडव सेना में भयंकर मारकाट मचाई। पांडव भी भीष्म का यह रूप देखकर डर गए। तब उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से भीष्म पितामह को हराने का उपाय पूछा। तब भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि यह उपाय तो स्वयं भीष्म ही बता सकते हैं। तब पांचों पांडव भगवान श्रीकृष्ण के साथ भीष्म पितामह से मिलने गए और उनसे पूछा कि आपको युद्ध में कैसे हराया जा सकता है।

तब भीष्म ने बताया कि तुम्हारी सेना में जो शिखंडी है, वह पहले एक स्त्री था, बाद में पुरुष बना। अर्जुन यदि शिखंडी को आगे करके मुझ पर बाणों का प्रहार करें, वह जब मेरे सामने होगा तो मैं बाण नहीं चलाऊंगा। इस मौके का फायदा उठाकर अर्जुन मुझे बाणों से घायल कर दें। इस प्रकार मुझ पर विजय प्राप्त करने के बाद ही तुम यह युद्ध जीत सकते हो।

ऐसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे।

इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमशः भिन्न–भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे।

भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

साभार-पौराणिक कथाएं

दुकान बेचना है ।

पुराना गल्ला बाजार, हनुमान मंदिर के पास 13X17 साईज की दुकान शीघ्र बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

Mob- 9200111497, 9584578178

विकी हार्डवेयर स्टोर्स

फोन कार्यालय 224664,

निवास- 222664मो. 9893200814

सिंधी गुरू मंदिर के सामने पचमढ़ी रोड, पिपरिया

बिरला व्हाइट सीमेंट एवं वाल केयर पुट्टी

उच्चकोटि के लोहा व सीमेंट एवं भवन सामग्री के थोक व फुटकर विक्रेता

पतंजलि आयुर्वेद के 14 उत्पादों पर लगा प्रतिबंध, मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस भी सस्पेंड

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद उत्तराखंड की लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने पतंजलि के 14 प्रोडक्ट्स पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को दी गई।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद उत्तराखंड

सरकार ने बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मेसी कंपनी के 14 उत्पादों पर बैन लगा दिया है। इनमें खांसी की दवा से लेकर कई तरह की गोलियां भी शामिल हैं। इतना ही नहीं इनके मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिए गए हैं।

उत्तराखंड सरकार के लाइसेंस प्राधिकरण की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मेसी की ओर से उत्पादों के बारे में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए कंपनी के लाइसेंस को सस्पेंड किया गया है। भ्रामक विज्ञापन को लेकर राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सोमवार शाम हलफनामा भी दायर कर दिया गया है।

राज्य की लाइसेंस अथॉरिटी ने बाबा की इस फर्म की खांसी, ब्लड प्रेशर, शुगर, लिवर, गोइटर और आई ड्रॉप के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 14 दवाओं के उत्पादन को रोकने का निर्देश दिया है। आदेश को सभी जिला ड्रग इंस्पेक्टर को भी भेजा गया है। जिला ड्रग इंस्पेक्टर ने 16 अप्रैल को रामदेव, बालकृष्ण, दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ कोर्ट में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। इसकी जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्रालय को भी दी गई है।

दरअसल, कोर्ट ने आयुष मंत्रालय और राज्य लाइसेंसिंग अथॉरिटी से जवाब मांगा था। अब सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को पतंजलि के मामले की सुनवाई करेगी, ताकि यह तय किया जा सके कि रामदेव के खिलाफ अवमानना का आरोप लगाया जाए या नहीं।सुप्रीम कोर्ट ने हाल में अपने कुछ उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों को रोकने के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए पतंजलि को फटकार लगाई थी।

-हम समवेत

दुकान बेचना है

सीमेंट रोड स्थित काम्पलेक्स में 4 दुकानें बेचना है । कीमत 7000 रुपये वर्गफीट है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

सम्पर्क करें -
मो. 9425708959

-मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

खट्टे मीठे तीखे बोल

धर्म परिवर्तन नहीं मर्म परिवर्तन है । धर्म गोबर की तरह बाहर से नहीं थोपा जाता, वह कमल की तरह अंदर से खिलता है ।

बिरला का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन

फोन- 222664, 224664

अधिकृत विक्रेता — My Cem Cement

श्री गुरुनानक ट्रेडर्स, पिपरिया

बचाना होगा पानी

- प्लास्टिक का बहिष्कार करें । कपड़े की थैली का उपयोग करें ।
- तालाब छोटे छोटे बनाना होगा ।
- पौधरोपण करें ।
- जनसंख्या पर नियंत्रण जरुरी है ।
- वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाए ।
- दो टैंकों वाला पाखाना बनाएं ।
- जैविक खेती को अपनाएं ।
- जल बचाये, जलस्तर बढ़ाने के लिए उपाय करें ।
- रासायनिक खाद व कीटनाशक से बचें ।
- बहुफसल प्रणाली को अपनाएं ।
- ड्रिप प्रणाली से सिंचाई कर पानी बचाएं ।
- सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दें ।

उक्त कार्यों के लिए आप के पास लेख, विचार या योजना हो तो लिख भेजें हम जनहित में उसका प्रकाशन करेगें जनजागरण अभियान

बेचना है

नवनिर्मित सिंग्लेक्स 25 X 40 में निर्मित । शानदार कंस्ट्रक्शन । कीमत-25 लाख । रामविलास कालोनी में बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

ओव्हर ब्रिज के पास- 11 X 5X 27 में डबल स्टोरी कार्नर मकान रोड से 150 फीट अंदर । कीमत- 8.50 लाख मात्र है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

मेन शोभापुर रोड पिपरिया में 20 X 60 में निर्मित मकान बेचना है । कीमत-10000 स्कोरफीट बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

प्लाट की कीमत में मकान-पचमढ़ी रोड पिपरिया में 28 X 90 का प्लाट राजस्थान स्वीट के सामने पचमढ़ी में बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें । **मो. 9425708959**

भाषाओं को बचाने की भारतीय पहल

☐ प्रमोद भार्गव

जिस दुनिया में हर पंद्रहवें दिन एक भाषा मरती हो वहां संवाद के इस माध्यम को कैसे बचाया जा सकेगा? भारत में नई 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' की मार्फत इसे बचाने की कोशिश की जा रही है। कैसे संरक्षित की जाएंगी, हमारी भाषाएं? बता रहे हैं, प्रमोद भार्गव। – संपादक

कोई भी भाषा जब मातृभाषा नहीं रह जाती तो उसके प्रयोग की अनिवार्यता में कमी और उससे मिलने वाले रोजगार मूलक कार्यों में भी कमी आने लगती है। पिछले 75 सालों में हमारी भाषाओं और बोलियों के साथ यही होता रहा है, परंतु अब नई 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' (एनईपी) को लागू करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए केंद्र सरकार नए सत्र से पांच नए उपाय करने जा रही है। इनमें बच्चों को मातृ, घरेलू और क्षेत्रीय भाषा में पाठ्यपुस्तकें पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 52 प्रवेशिकाएं अर्थात पाठ्य–पुस्तकें तैयार की गई हैं।

इनसे छात्र–छात्राओं से लेकर वयस्क तक वर्णमाला और दो अंकों तक गणित सीख सकेंगे। पहले चरण में 17 राज्यों की राजभाषा व स्थानीय भाषा में 52 पुस्तकें मैसूर के 'भारतीय भाषा संस्थान' और 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद' (एनसीईआरटी) ने तैयार की हैं। देश में ऐसी 121 भाषाएं हैं, जिन्हें क्षेत्रीय लोग स्थानीय स्तर पर लिखने व बोलने में प्रयोग करते हैं। जल्दी ही देश के बाकी राज्यों की आंचलिक भाषाओं में प्रवेशिका उपलब्ध करा दी जाएंगी। इन पाठ्य–पुस्तकों का उपलब्ध होना न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि विलोपित हो रही मातृभाषाओं का अस्तित्व बचाए रखने की परिवर्तनकारी पहल है।

यह पहल निर्बाध और भविष्यवादी शिक्षण परिदृष्य तैयारकर भारतीय भाषाओं में सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। इससे नई शिक्षा नीति का दृष्टिकोण साकार होगा और शालेय शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। सरकार ने 'राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र' का राज्य इकाइयों व 200 'डीटीएच' चौनलों के साथ एकीकरण का निर्णय भी लिया है। इस हेतु सरकार ने 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 22 क्षेत्रीय व प्रादेशिक भाषाओं में चौनल तैयार कर लिए हैं। ये बिना इंटरनेट चलेंगे। भविष्य में ये चौनल 'ओटीटी' और 'यू–ट्यूब' पर भी उपलब्ध होंगे।

भारत में ऐसे हालात सामने भी आने लगे हैं कि किसी एक इंसान की मौत के साथ उसकी भाषा का भी अंतिम संस्कार हो जाए। 'स्वाधीनता दिवस,' 26 जनवरी 2010 को अंडमान द्वीप समूह की 85 वर्षीय बोआ के निधन के साथ ग्रेट–अंडमानी भाषा 'बो' भी हमेशा के लिए विलुप्त हो गई। इस भाषा को जानने, बोलने और लिखने वाली वे अंतिम इंसान थीं। इसके पूर्व नवंबर 2009 में एक और महिला बोरो की मौत के साथ 'खोरा' भाषा का अस्तित्व समाप्त हो गया था।

'नेशनल ज्योग्राफिक सोसायटी एंड लिविंग टंग्स इंस्टीट्यूट फॉर एंडेंजर्ड लैंग्वेजेज' के अनुसार हरेक पखवाड़े एक भाषा की मौत हो रही है। सन् 2100 तक भू–मण्डल में बोली जाने वाली सात हजार से भी अधिक भाषाओं का लोप हो सकता है। इस दायरे में आने वाली खासतौर से आदिवासी व जनजातीय भाषाएं हैं, जो लगातार उपेक्षा का शिकार होने के कारण विलुप्त हो रही हैं। ये भाषाएं बहुत उन्नत हैं और पारंपरिक ज्ञान का भंडार हैं।

भारत सरकार ने उन भाषाओं के आंकड़ों का संग्रह किया है, जिन्हें 10 हजार से अधिक लोग बोलते हैं। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार ऐसी 121 भाषाएं और 234 मातृभाषाएं हैं। भाषा–गणना की ऐसी बाध्यकारी शर्त के चलते जिन भाषा व बोलियों को बोलने वाले लोगों की संख्या 10 हजार से कम है उन्हें गिनती में शामिल ही नहीं किया गया।

पूरी दुनिया में सात्ताईस सौ भाषाएं संकटग्रस्त हैं। इन भाषाओं में असम की 17 भाषाएं शामिल हैं। 'यूनेस्को' द्वारा जारी एक जानकारी के मुताबिक असम की देवरी, मिसिंग, कछारी, बेइटे, तिवा और कोच राजवंशी सबसे संकटग्रस्त भाषाएं हैं। इन भाषा–बोलियों का प्रचलन लगातार कम हो रहा है। नई पीढ़ी के सरोकार असमिया, हिन्दी और अंग्रेजी तक सिमट गए हैं। इसके बावजूद 28 हजार लोग देवरीभाषी, मिसिंगभाषी साढ़े पांच लाख और बेइटेभाषी करीब 19 हजार लोग अभी बाकी हैं। इनके अलावा असम की बोडो, कार्बो, डिमासा, विष्णुप्रिया, मणिपुरी और काकबरक भाषाओं के जानकार भी लगातार सिमटते जा रहे हैं।

वे ही भाषाएं बोलियों और लिपियों के रूप में जीवित रह सकती हैं जो उपयोग में बनी रहें। पूरी दुनिया में 15 हजार से अधिक भाषाएं दर्ज हैं, लेकिन आज उनमें से आधी से ज्यादा मर गई हैं। इसका कारण इन्हें उपयोग से वंचित कर देना है। कई लोग भाषाओं की विलुप्ति का कारण आक्रांताओं के हमलों को मानते हैं। भारत में भी इस स्थिति को भाषाओं की विलुप्ति का कारण माना गया, लेकिन यह तथ्य थोथा है। फ्रांस में भी यह भ्रम फैला हुआ है। फ्रेंच भाषियों को यह आशंका सता रही है कि वहां कि युवा पीढ़ी अंग्रेजी के प्रति आकर्षित है, इसलिए वहां अंग्रेजी से मुक्ति के उपाय सुझाए जा रहे हैं। नाइजीरिया और केमरून की बिक्या भाषाएं प्रयोग में नहीं रहने के कारण लुप्त हुईं। इस भाषा को प्रचलन में बनाए रखने वाले एक–एक कर जब मरते चले गए तो उनके साथ भाषा भी काल में समाती चली गई। वर्तमान में विश्व की 90 प्रतिशत भाषाओं और बोलियों पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। वैसे भाषाओं का मरना हर युग और हर देश में एक सिलसिला बना रहा है। भारत की सबसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि को आज बांचने वाला कोई नहीं है।

विकास के साथ जो भाषा जुड़ी होती है, उसकी जीवंतता बनी रहती है। आज अंग्रेजी जहां भाषाओं की विलुप्तता की दृष्टि से खलनायिका साबित हो रही है, वहीं इसके महत्व को एकाएक इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आधुनिक तकनीक के व्यावहारिक और व्यावसायिक उपयोग का विश्वव्यापी आधार बन गई है। दुनिया की युवा पीढ़ी विश्व समाज से जुड़ने के लिए अंग्रेजी की ओर आकर्षित है, लेकिन यदि अंग्रेजी इसी तरह पैर पसारती रही तो दुनिया में भाषाई एकरूपता छा जाएगी, जिसकी वटवृक्षी छाया में अनेक भाषाएं मर जाएंगी। भारत की तमाम स्थानीय भाषाएं व बोलियां अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण संकटग्रस्त हैं। व्यावसायिक, प्रशासनिक, चिकित्सा, अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी की आधिकारिक भाषा बन जाने के कारण अंग्रेजी रोजगारमूलक शिक्षा का प्रमुख आधार बना दी गई है। इन कारणों से उत्तरोत्तर नई पीढ़ी मातृभाषा के मोह से मुक्त होकर अंग्रेजी अपनाने को विवश है। प्रतिस्पर्धा के दौर में मातृभाषा को लेकर युवाओं में हीन भावना भी पनप रही है।

भाषाओं को बचाने के लिए समय की मांग है कि क्षेत्र विशेष में स्थानीय भाषा के जानकारों को ही निगमों, निकायों, पंचायतों, बैंकों और अन्य सरकारी दफ्तरों में रोजगार दिए जाएं। इससे अंग्रेजी के फैलते वर्चस्व को चुनौती मिलेगी और ये लोग अपनी भाषाओं व बोलियों का संरक्षण तो करेंगे ही, उन्हें रोजगार का आधार बनाकर गरिमा भी प्रदान करेंगे। ऐसी सकारात्मक नीतियों से ही युवा पीढ़ी मातृभाषा के प्रति अनायास पनपने वाली हीन भावना से भी मुक्त होगी। इस नजरिए से 52 क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाई एक अनूठी और आवश्यक पहल है। भाषा संबंधी नीतियों में ऐसे ही बदलावों से लुप्त हो रही भाषाओं को बचाया जाना संभव होगा। (सप्रेस)

☐ श्री प्रमोद भार्गव स्वतंत्र लेखक और पत्रकार हैं।

बेचना है ।

हुन्डई वरना कार चालू हालत में सभी कागज कम्पलीट 2006 मॉडल बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

मो. 9425475498

प्लाट बेचना है

पचमढ़ी रोड सावरिया कालौनी, पिपरिया में 85 X 60 का प्लाट बेचना है । इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें ।

सम्पर्क करें

मो. 9425039572

पिपरिया डेन्टल क्लीनिक

(पं.नाथूराम गंगेले मार्ग) मंगलवारा पोस्ट आफिस के सामने पिपरिया

सुपर सिलेक्शन

मेन रोड थाने के सामने पिपरिया

मो. 9893331604

माहेश्वरी फर्नीचर स्टोर्स

सीमेंट रोड, पिपरिया

अधिकृत विक्रेता

नीलकमल फर्नीचर एवं कोरफोम गददे, अलमारी, कूलर, टी.वी, पंखे, गद्दे, सोफा, कार्पेट एवं फोम मटेरियल

इंदौर-जबलपुर के बीच नई ट्रेन सुबह-सुबह चलाई जावे

पिपरिया प्रकाश संवाददाता पिपरिया । भारतीय रेल्वे को जबलपुर-इंदौर की वेटिंग लिस्ट क्यों दिखाई नहीं देती लगभग 1 माह से 60 से लेकर 100 वेटिंग चल रही है । शादी-विवाह छुट्टीयां बच्चों का अनाजाना, व्यापारी को पर्यटन को ध्यान में रखकर बिलासपुर-इंदौर एवं ओव्हर नाइट ट्रेन में कोच

अतिरिक्त क्यों नहीं लगाये जा सकते या समर स्पेशल के नाम से सुबह-सुबह प्रातःकाल जबलपुर से इंदौर एवं इंदौर से प्रातः जबलपुर के लिए एक ट्रेन चला दी जाये इंदौर के वरिष्ठजनों ने इस ट्रेन की मांग देश के प्रमुख प्रधानमंत्री जी को भी पत्र द्वारा भेजी है ।

जनशताब्दी को इंदौर तक बढ़ा दिया जाये एवं दुर्ग-भोपाल को भी इंदौर तक बढ़ाकर इस क्षेत्र की जनता को राहत दी जा सकती है । बीना इटारसी ट्रेन को भी बीना से भोपाल व्हाया जबलपुर चलाया जा सकता है । इसकी मांग काफी लम्बे समय से उठ रही है । क्योंकि इटारसी में 11 व12 के बीच दोपहर में जो भी ट्रेन आती है वे खचाखच भरी रहती है । जनता उसमें अपनी जान को जोखिम में डालकर सफर करती है । वह भी भोपाल तक भोपाल से इंदौर के लिए ट्रेन ही नहीं है ।

आमजन की ऐसी अनदेखी क्यों रेल्वे प्रशासन कर रहा है यह समझ से परे हैं जनता मंहगी यात्रा के लिए मजबूर है । या जान को जोखिम में डालकर यात्रा कर रहा है । सुना जा रहा है कि गरीब मध्यम परिवारों के लिए अमृत भारत ट्रेने आ रही है । ये 80 मार्गों पर चलने वाली है 22 कोच की ट्रेन होगी । 11 स्लीपर व 11 सामान्य कोच होंगे ये शायद जनता को राहत दे फिलहाल तो जनता बेहाल है ।

बीना एक्सप्रेस जब तब बंद कर दी जाती है गरीब मध्यम वर्ग इससे परेशान रहता है डेली अपडाउन करने वाले भी वेजा परेशान रहते हैं बस वालों की चांदी ही चांदी रहती है ।

नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा के जंगल दीलहरी बीट में एक तेदुआ का शव मिला, वन विभाग की लापरवाही आई सामने,

नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा के जंगल दीलहरी बीट में एक

तेदुआ का शव मिला, वन विभाग की लापरवाही आई सामने,12 घंटे के बाद भी डीएफओ और अन्य अधिकारी नही पहुंचे घटना स्थल... अन्य वन अमला मौके पर जांच में जुटा... डॉग एस्कॉर्ट की टीम दो डॉग के साथ जांच में जुटी. ..दो से तीन वर्ष का था नर तेंदुआ... हत्या की आशंका....वन विभाग के उच्च अधिकारी घटना को नही ले रहे गंभीरता से..लगातार संरक्षित जंगली पशु हो रहे मोत के शिकार....जंगल में जानवरों के पानी पीने के नही है इतजाम,पानी की तलास में जंगल के जानवर आते है रहवासी इलाके में.....करेली क्षेत्र के एसडीओ जानकारी देने में कर रहे आना कानी, मानक पशु कल्याण प्रतिनिधि भागीरथ तिवारी मौके पर वन विभाग की लचर व्यवस्था पर उठाए भागीरथ तिवारी ने सवाल,तेदुआ की मौत का जिम्मेदार बताया वन विभाग को अनुज ममार अध्यक्ष प्रेस परिषद । -भागीरथ तिवारी

पंजीयन क्रमांक-70/1953-54

पिपरिया शहर का प्राचीन औषधालय

श्री कृष्ण सेवा संघ धमार्थ औषधालय धर्मशाला रोड पिपरिया

- पिपरिया एवं क्षेत्र के नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा में हमेशा प्रयत्नशील
- अनुभवी वैद्यजी द्वारा परामर्श
- आयुर्वेदिक दवाओं का निशुल्क वितरण
- पंजीयन शुल्क मात्र दो रुपए

औषधालय का समय : सुबह 9 से 12 बजे तक

यदि हो गये हो बीमार –आयुर्वेद ही सही उपचार।

ऋषि मुनियों ने आयुर्वेद को अपनाने के आशीर्वाचन दिए हैं उन्हें अपनाइए ।आयुर्वेदिक उपचार अपनाऐ ।स्वस्थ जीवन पाऐं ।।

पुरस्कार फर्जी गणित पर -1

राष्ट्रसंघ के , अमेरिका के NCERT , नई दिल्ली और राज्यशिक्षा केन्द्र भोपाल के माननीय विद्वानों और माननीय शिक्षकों ने फर्जी गणित बनाई है , जिससे सभी बच्चों को दोषपूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है । इसका एक उदाहरण प्रस्तुत है -

फर्जी नियम- प्रत्येक घनात्मक अंक प्रत्येक ऋणात्मक अंक से बड़ा होता है - 10-9-8-7-6-5-4-3-2-1 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 - इस नियम के अनुसार 8 से -8 छोटा अंक है ।

प्रश्न- 8+ (-8) =

जो भी विद्वान और शिक्षक बड़े अंक 8 में छोटा अंक-8 जोड़कर बड़ा अंक बनाकर बतला देगा । उसे 10000=00 दस हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा । उत्तर पिपरिया प्रकाश के द्वारा दिया जावे ।

राष्ट्रसंघ के, अमेरिका के NCERT , नई दिल्ली और राज्यशिक्षा केन्द्र भोपाल के माननीय विद्वान और शिक्षक प्रश्न को हल करके बतलाने की दया करेंगे । अन्यथा आप दोषपूर्ण शिक्षा बच्चों को प्रदान कर रहे हैं और अपने ज्ञान का सही दिशा में उपयोग नहीं कर रहे हैं ।

माननीय राष्ट्रसंघ, माननीय अमेरिका शासन, माननीय केन्द्र शासन और माननीय म.प्र. पूर्णांक में समुचित सुधार कराने की दया करेंगे । जिससे बच्चों को सही ज्ञान प्राप्त हो ।

राष्ट्रसंघ के, अमेरिका के माननीय विद्वान से निवेदन है कि गणित में यदि एक से छोटे अंक होते तो गणित की रचना संभव ही नहीं थी । आपने एक से छोटे अंकों का गणतीय आधार स्पष्ट नहीं किया है । बिना गणतीय आधार के आपने कैसे गणित के अंक मान लिये है कैसे गणित में शामिल कर लिये हैं । यह आपने अज्ञानपूर्ण मनमानी की है , माननीय सरकारों ने, माननीय पालकों ने और माननीय शिक्षकों ने आपकी मनमानी मान ली है लेकिन गणित ने नहीं मानी है । इसका स्पष्ट प्रमाण है कि 8 में -8 जोड़ने पर बड़ा अंक नहीं बनता है । आपके एक से छोटे अंकों में और गणित के अंकों में चोटे बड़े का संबंध ही नहीं है । फिर आप जबरजस्ती छोटे-बड़े कहते हैं आप तानाशाही क्यों कर रहे हैं ।

सभी माननीय पालकों और माननीय म.प्र. शासन से निवेदन है कि आप राष्ट्रसंघ और अमेरिका के माननीय विद्वानों से नर्मदापुरम में मेरी वार्ता कराने की दया करेंगे । मैं बतलाना चाहता हूँ कि वे कितनी बड़ी भूल कर रहे हैं ।

बी.डी.ओ. में माननीय विद्वानों की संख्या रेखा को गणित स्वीकार ही नहीं करती है । प्रस्तुत करूंगा ।

गणित केवल गणना पर ही चलती है लेकिन राष्ट्रसंघ और अमेरिका के माननीय विद्वानों ने दलीलों द्वारा गणित करने का नया तरीका ढूंढ़ निकाला है जो 100% अज्ञानता है ।

-आर.एस. खेमरिया रिटा. शिक्षक
पिपरिया मो. 9407257678

किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 19 अप्रैल से एक जून तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा

जनसंपर्क नर्मदापुरम । लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान प्रथम चरण की मतदान तिथि 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से 01 जून की शाम 6.30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार–प्रसार करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर भी पूर्णतरू प्रतिबंध रहेगा।

उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

स्वत्वाधिकारी संपादक मुद्रक प्रकाशक–प्रकाशचन्द्र मंडलोई कैलाश पेपर इंडस्ट्रीज, सांडिया रोड, पिपरिया जिला– होशंगाबाद (म.प्र) से मुद्रित प्रकाशित मो. 09425708959संपादक –प्रकाशचन्द्र मंडलोई
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र पिपरिया न्यायालय रहेगा । E-mail-pipariyaprakash@gmail.com